सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 8 ● अंक: 242 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार, 12 अक्टूबर, 2022

मूल्य ₹ 3/-

यदि आप किसी व्यक्ति से उसकी भाषा में बात करें जो वो समझता है तो बात उसके सिर में जाती है, यदि आप उससे उसकी भाषा में बात करते हैं तो बात उसके दिल तक जाती है।

-नेल्सन मंडेला

मुलायम सिंह के लिए भारत रत्न... 8 | उत्तराखंड बनने के विरोधी नहीं, पक्षधर... 3 | सीएम भूपेश बघेल की ओएसडी समेत... 7

पिता मुलायम सिंह यादव के निधन पर छलका अखिलेश का दर्द, बोले

आज पहली बार लगा, बिन सूरज के उगा सवेरा

» पिता की चिता से अस्थियां चुनते समय फफक पड़े अखिलेश

» कल पंचतत्व में विलीन हुए थे नेताजी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा संस्थापक और पिता मुलायम सिंह यादव के पार्थिक शरीर के पंचतत्व में विलीन होने के बाद सपा प्रमुख अखिलेश यादव का दर्द आज छलक पड़ा। पिता के जाने का गम उनके चेहरे पर साफ दिखा। उनकी आंखें बार-बार भर आ रही थीं। पिता मुलायम सिंह यादव के अंतिम संस्कार के बाद आज सुबह अखिलेश यादव ने बेहद गमभरा ट्वीट किया। संक्षिप्त से इस ट्वीट में उनका दर्द छलक पड़ा।

पिता मुलायम सिंह यादव के अंतिम संस्कार के बाद सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने एक ट्वीट किया। ट्वीट में उन्होंने लिखा, आज कल रात और आज सुबह की दो फोटो के साथ पहली बार लगा...बिन सूरज के उगा सवेरा। पहली फोटो नेताजी के अंतिम संस्कार की है और दूसरी फोटो सुबह सूरज उगने के बाद अस्थियां चुनने के दौरान की है। इस दौरान अखिलेश यादव फफक पड़े। सपा संस्थापक और प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव का उनके पैतृक गांव सैफई में कल अंतिम संस्कार किया गया था। अखिलेश यादव ने पिता मुलायम सिंह यादव को मुखाग्नि दी। आज सुबह अखिलेश यादव ने अपने पिता की अस्थियों का संचयन और पिंडदान किया। गौरतलब है कि मुलायम सिंह यादव का 82 वर्ष की उम्र में 10 अक्टूबर को गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में निधन हो गया था। मुलायम सिंह यादव के अंतिम दर्शन के लिए देश के सभी बड़े राजनेता आए थे। भाजपा, कांग्रेस और दक्षिण के राज्यों के मुख्यमंत्री व प्रमुख नेता अंतिम दर्शन के लिए पहुंचे थे।

बाढ़ पर एक्शन में सीएम योगी, कहा

हर जरूरतमंद तक पहुंचे मदद, ग्राउंड पर उतरें मंत्री

» 15 जिलों में बाढ़ का कहर, 25 लाख आबादी प्रभावित

» चौबीस घंटे सक्रिय रहें कंट्रोल रूम लगाए जाएं स्वास्थ्य शिविर

» मंत्री समूह बाढ़ प्रभावित जिलों का दौरा कर राहत-बचाव कार्य में करें सहयोग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश के 15 जिलों में बाढ़ के कहर को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज उच्चस्तरीय बैठक में अधिकारियों और मंत्रियों को हर जरूरतमंद तक तत्काल राहत पहुंचाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मंत्री समूह अपने प्रभार वाले मंडलों व जनपदों में दौरा कर राहत एवं बचाव कार्यों को और बेहतर बनाने में सहयोग करें। प्रभावित जिलों में राहत एवं पुनर्वास कार्य तेज करें और एडीएम व ज्वाइंट मैजिस्ट्रेट स्तर के अधिकारी के नेतृत्व में कंट्रोल रूम को चौबीस घंटे सक्रिय रखें।

सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश के 15 जिलों के 1500 से अधिक गांवों की लगभग 25 लाख की आबादी बाढ़ से प्रभावित है। इन सभी बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्य के लिए टीमें तैनात की जाएं। नदियों के जलस्तर की सतत निगरानी रखी जाए। राहत वितरण में देरी न हो। राहत शिविरों के समीप स्वास्थ्य शिविर लगाए जाएं। गौरतलब है कि लगातार हुई बारिश से यूपी के तराई क्षेत्र में भारी बाढ़ आ गयी है। गोंडा, बस्ती, बहराइच, लखीमपुर, बलरामपुर, श्रावस्ती, सीतापुर और गोरखपुर में बाढ़ से हालात बेकाबू हो गए हैं।

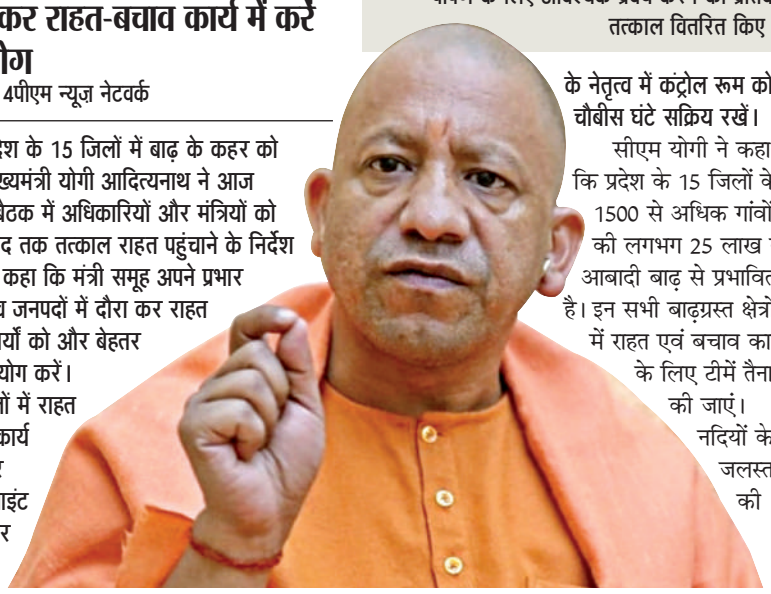

फसलों के नुकसान का करें आंकलन

फसलों पर बारिश के पड़े प्रभाव की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने सभी जिलों में राजस्व और कृषि विभाग की टीम को गहन सर्वेक्षण कर नुकसान के आंकलन के निर्देश दिए हैं ताकि किसानों को क्षतिपूर्ति की जा सके। उन्होंने कहा कि कई जनपदों में जन-धन हानि की सूचना मिली है। राज्य सरकार सभी प्रभावित जनों की सुरक्षा और भरण-पोषण के लिए आवश्यक प्रबंध करने को प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने दिवंगत व्यक्तियों के परिजनों को राहत राशि तत्काल वितरित किए जाने तथा घायलों का समुचित उपचार कराने के भी निर्देश दिए।

अयोध्या पहुंचे सीएम, संत रामानुजाचार्य की प्रतिमा का किया अनावरण

अयोध्या। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज गोलाघाट स्थित अम्मा जी मंदिर में जगद्गुरु रामानुजाचार्य की पांच फीट ऊंची प्रतिमा का अनावरण किया। इस प्रतिमा को स्टेचू ऑफ यूनिटी का नाम दिया गया है। उन्होंने कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम के इस धराधाम पर 120 वर्षों बाद रामानुजाचार्य की प्रतिमा का अनावरण हुआ। भारत ज्ञान की भूमि है। यहां वेदों की परंपरा का साक्षात दर्शन होता है। वेदों की परंपरा और मंत्र ऋषियों ने उद्घाटित किये। यही भारत की परंपरा है। स्वामी रामानुजाचार्य इस धराधाम पर अवतरित हुए थे। राम मंदिर के पहले उनकी प्रतिमा का अनावरण हो रहा है। यह गर्व का विषय है।

भाजपा सरकार का सूबे को गड्ढा मुक्त बनाने का दावा खोखला : मायावती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» बदहाल सड़कों पर रोज हो रहीं दुर्घटनाएं

» गरीबी, महंगाई और बेरोजगारी से परेशान है जनता

लखनऊ। बसपा प्रमुख मायावती ने भाजपा सरकार पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार का प्रदेश को गड्ढा मुक्त करने का दावा खोखला है। प्रदेश में सड़कें बदहाल हैं और हर रोज लोग हादसों का शिकार होकर अपनी जान गवां रहे हैं।

बसपा प्रमुख मायावती ने एक के बाद एक तीन ट्वीट कर भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने लिखा, नए एक्सप्रेस-वे के लगातार धंसने-दरकने, लखनऊ-उन्नाव की भी 50 किमी सड़क में 982 गड्ढे, जैसे पश्चिमी यूपी व पूर्वांचल अर्थात अधिकांश यूपी में बदहाल सड़कें व उस कारण जनजीवन त्रस्त होने व जानलेवा दुर्घटनाओं की खबरें सर्वत्र चर्चाओं में हैं, जो सरकारी दावों की पोल खोलती हैं जबकि यूपी में दूसरी बार भाजपा की सरकार बनने के बाद भी प्रदेश को गड्ढा मुक्त करने के वादे व दावे हर मंत्री व नेताओं द्वारा लगभग हर रोज ही किए जाते हैं, लेकिन इनके अन्य दावों की तरह ही सूबे को गड्ढा मुक्त नहीं बना पाना लोगों को अब काफी विचलित कर रहा है। उन्होंने ट्वीट किया, इसके बावजूद भी इनके जले पर नमक छिड़कने के लिए केन्द्र व राज्य की दोनों सरकारें यूपी में अमेरिका जैसी सड़क बनाने जैसा हसीन सपना दिखाने में नहीं हिचक रही हैं। वहीं गरीबी, महंगाई, बेरोजगारी व पिछड़ेपन आदि से त्रस्त व विकास की भूखी जनता चुप है कि आगे क्या होगा?

अभावग्रस्त और वंचितों के साथ स्वयंसेवक मनाएं दीपावली : भागवत

» हर बस्ती और हर व्यक्ति तक संपर्क का लक्ष्य लेकर चले

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कानपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघ चालक डॉ. मोहन भागवत ने स्वयंसेवकों को पिछड़े, अभावग्रस्त और वंचितों के साथ दीपपर्व मनाने का संदेश दिया है। कानपुर प्रांत और विभाग टोलियों की बैठक में उन्होंने कहा कि हर बस्ती और हर व्यक्ति तक संपर्क का लक्ष्य लेकर चलें और शाखाएं नियमित लगाने के साथ संख्या भी बढ़ाएं। उन्होंने संघ के शताब्दी वर्ष 2025 को लेकर भव्य उत्सव मनाने की भी चर्चा की। पांच दिवसीय स्वर संगम घोष कार्यक्रम के अंतिम दिन कुटुंब प्रबोधन, सेवा विभाग और प्रांत कार्यकारिणी की बैठक हुई। प्रथम सत्र में कुटुंब प्रबोधन के कार्यकर्ताओं ने प्रांत में चल रही गतिविधियों का विवरण प्रस्तुत किया।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक परिवार संस्कारित हो। परिवार का मतलब चाचा चाची दादा दादी आदि सब हैं। प्रत्येक परिवार के सभी सदस्य दिन में एक बार सामूहिक रूप से भोजन अवश्य करें, यह संदेश दें ताकि सब एकजुट हों। दूसरे सत्र में सेवा विभाग के स्वयंसेवकों ने अपने कार्यों का विवरण प्रस्तुत कर बताया कि प्रांत में 215 सेवा बस्तियों में सिलाई केंद्र, संस्कार केंद्र आदि 15 प्रकार के सेवा कार्य चल रहे हैं। इस पर सरसंघचालकजी ने कहा कि हम सांस्कृतिक और सामाजिक संगठन

हैं। समाज की पीड़ा हमारी पीड़ा है। समाज के प्रत्येक वर्ग उन्नति प्राप्त करें और जातिवाद की मानसिकता पूर्णतया समाप्त हो। हम सभी एक मां भारत माता की संतान हैं इसलिए हम सब सहोदर है। हमें सेवा प्रकल्प का दायरा बढ़ाना है और हर जरूरतमंद को सीधा लाभ देना है। दीपावली का उत्सव बस्तियों में मनाएं और ज्यादा से ज्यादा लोगों को अपने साथ जोड़ें। सरसंघचालक ने सेवा कार्य और बढ़ाने के लिए कहा। तीसरे सत्र में प्रांत कार्यकारिणी के कार्यकर्ताओं के साथ वार्ता में सरसंघचालक ने कहा कि घोष शिविर में भले ही मौसम ने सहयोग नहीं किया। परन्तु स्वयंसेवकों ने बहुत परिश्रम से वाद्य यंत्रों को बजाने का अभ्यास किया था। शिविर की सार्थकता तभी होगी जब यह अभ्यास लगातार जारी रहे। प्रत्येक जिले में घोष की अच्छी टीम बने और लोगों में घोष के प्रति रुचि बढ़ें। उन्होंने कहा कि 2025 में जब संघ का शताब्दी वर्ष पूर्ण हो तो प्रांत के प्रत्येक गांव में शाखा हो। मंदिर, श्मशान, जलाशय पर संपूर्ण हिंदू समाज का समान अधिकार हो। जातिवाद के लिए समाज में कोई स्थान न हो और बड़ा छोटा का भेद मिटाकर सब समान हैं की भावना को विकसित करें। राष्ट्र व समाज हित में सभी जातियों का योगदान रहा है। ऐसी कोई जाति नहीं, जिसमें महापुरुष न पैदा हुए हैं।

भागवत के खिलाफ दाखिल क्रिमिनल रिवीजन अर्जी खारिज

लखनऊ। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत के खिलाफ दाखिल क्रिमिनल रिवीजन अर्जी को सत्र अदालत ने खारिज कर दिया है। इस क्रिमिनल रिवीजन अर्जी में निचली अदालत के आदेश को चुनौती दी गई थी। एडीजे विनय सिंह ने निचली अदालत के आदेश को वाजिब करार दिया है। 25 जुलाई, 2016 को निचली अदालत ने मोहन भागवत के खिलाफ दाखिल परिवाद को खारिज कर दिया था। निचली अदालत में यह परिवाद ब्रह्मेंद्र सिंह मौर्य ने दाखिल किया था। परिवाद में मोहन भागवत के साथ ही संघ के तत्कालीन सचिव डॉ. राधिका के खिलाफ राष्ट्रद्रोह का मुकदमा चलाने की मांग की गई थी। निचली अदालत ने परिवाद को ग्राह्यता के स्तर पर ही यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि मोबाइल पर आए मैसेज से उत्पन्न अपराध इस अदालत के क्षेत्राधिकार में नहीं आता है।

पहले की सरकारों ने सांस्कृतिक पहचान से दूरी बनाए रखी : भूपेंद्र

» श्रीमहाकाल लोक का लोकार्पण ऐतिहासिक क्षण, पीएम मोदी का जताया आभार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने राष्ट्रीय पुर्नजागरण के अभियान में करोड़ों लोगों की आस्था के केंद्र बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा श्रीमहाकाल लोक के लोकर्पण को मील का पत्थर बताया। उन्होंने श्री महाकाल लोक के लोकार्पण को अध्यात्म और संस्कृति की दृष्टि से ऐतिहासिक क्षण बताते हुए भारत की विरासत को सजाने और सवारने के लिए लगातार किए जा रहे कार्यों के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताया।

यूपी बीजेपी के अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने कहा कि अयोध्या और काशी के बाद भारतीय संस्कृति और मनीषा के संरक्षक सम्राट विक्रमादित्य की नगरी में सनातन संस्कृति के पुर्नजागरण के अनुष्ठान में श्री महाकाल लोक का लोकार्पण कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक और संकल्प को पूरा किया है। ये कार्य न सिर्फ अध्यात्मिक रूप से भावी पीढ़ियों के लिए प्रेरणा देने वाला है, अपितु ये वर्तमान पीढ़ी को सनातन इतिहास की गौरवमयी गाथाओं से परिचित कराते रहेंगे। भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने कहा कि मध्य युगीन आक्रांताओं ने हमारे आस्था के केंद्रों, शक्तिपुंजों को क्षतिग्रस्त कर हमारे गौरव व स्वाभिमान को खंडित करने का प्रयास किया। आजादी के बाद बनी सरकारों ने भी तुष्टिकरण की नीति के चलते भारत की सांस्कृतिक पहचान से दूरी बनाए रखी। मोदी ने भारत की आध्यात्मिक, सांस्कृतिक शक्ति व इसके केन्द्रों के पुर्ननिर्माण का बीड़ा उठाया।

सरकारी अस्पतालों को भेजे जाने वाले एंटीबायोटिक इंजेक्शन जांच में फेल

» सप्लाई पर लगाई गई रोक, अब होगी जांच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा हाल ही में दवा आपूर्ति की बदली व्यवस्था से सरकारी अस्पतालों तक घटिया एंटीबायोटिक एमोक्सिसिलिन इंजेक्शन नहीं पहुंच सका जिससे मरीजों की जान पर आफत नहीं आई। अस्पतालों को आपूर्ति से पहले यूपी मेडिकल सप्लाईज कारपारेशन लिमिटेड द्वारा खरीदे गए इंजेक्शन प्रयोगशाला की जांच में मानकों के मुताबिक नहीं पाए गए हैं।

जांच में फेल होने पर कारपोरेशन ने प्रदेशभर के ड्रग वेयर हाउस से एमोक्सिसिलिन इंजेक्शन की अस्पतालों को आपूर्ति रोक दी है। सभी इंजेक्शन को वापस मंगाने के साथ ही आपूर्ति करने वाली फर्म को नोटिस दी जा रही है। बैक्टिरियल इंफेक्शन से बचाने के लिए यह एंटीबायोटिक एमोक्सिसिलिन इंजेक्शन लगाया जाता है। मेडिकल सप्लाईज कारपारेशन के मुताबिक दो दिसंबर 2021 को अमृतसर की एएनजी लाइफ साइंस इंडिया लिमिटेड द्वारा जो एमोक्सिसिलिन इंजेक्शन आपूर्ति किए गए। उनमें बैच नंबर एबी 192054 के इंजेक्शन प्रयोगशाला की जांच में मानकों पर खरे नहीं पाए गए हैं। ऐसे में राज्य के 54 जिलों के ड्रग वेयर हाउस में आपूर्ति किए गए इंजेक्शन वापस मंगाकर कंपनी को लौटाए जाएंगे।

सोनिया और राहुल नहीं लड़ना चाहते थे चुनाव : खड़गे

» अध्यक्ष पद के लिए समर्थन जुटाने आए लखनऊ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के प्रत्याशी मल्लिकार्जुन खड़गे ने यह साफ कर दिया है कि वह इस चुनाव में गांधी परिवार के प्रत्याशी नहीं हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अध्यक्ष के चुनाव में प्रतिद्वंद्वी शशि थरूर से वह अपनी कोई तुलना नहीं करना चाहते। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं, कार्यकर्ताओं और डेलीगेट्स की इच्छा का सम्मान करते हुए वह जनता की लड़ाई लड़ने और कांग्रेस पार्टी की विचारधारा को बचाने के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ रहे हैं क्योंकि आरएसएस और भाजपा लोगों पर अपनी विचारधारा थोप रहे हैं।

उदयपुर चिंतन शिविर में लिए गए संकल्पों को लागू करना ही उनका घोषणापत्र है। राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव में उत्तर प्रदेश से समर्थन जुटाने के लिए मल्लिकार्जुन खड़गे कांग्रेस के प्रदेश कार्यालय पहुंचे। उन्होंने प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्यों को संबोधित भी किया। मीडिया से मुखातिब खड़गे से सवाल हुआ कि उन्हें अपनी उम्मीदवारी के लिए सोनिया गांधी से कोई आश्वासन मिला है? इस पर खड़गे ने कहा कि उनके विरुद्ध फैलाये जा रहे इस झूठ की वह निंदा करते हैं। खड़गे ने कहा कि सोनिया गांधी और राहुल गांधी ने स्पष्ट कह दिया था कि वह इस चुनाव में पड़ना नहीं चाहते हैं। जब उन्होंने नामांकन किया तो राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा कर रहे थे और सोनिया गांधी यहां थी भी नहीं।

सामूहिक नेतृत्व में विश्वास

मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि वह सामूहिक नेतृत्व में विश्वास करते हैं। उनकी कोशिश सबकी सलाह लेकर पार्टी चलाने की होगी। उदयपुर चिंतन शिविर में लिए गए संकल्प के अनुसार पार्टी के 50 प्रतिशत पद 50 वर्ष से कम उम्र के कार्यकर्ताओं को देना उनकी प्राथमिकता होगी। अन्य संगठनात्मक बदलाव भी कार्यकर्ताओं की भावनाओं के अनुरूप होंगे।

जी-23 तो खत्म हो गया

कांग्रेस के असंतुष्ट नेताओं के समूह (जी-23) ने समर्थन किया है कि नहीं? इस सवाल पर खड़गे ने कहा कि 'जी-23 तो खत्म हो गया। जी-23 में शामिल नेताओं ने मेरा नामांकन कराया। कांग्रेस एक होकर चल रही है, कोई इसमें फूट डालने की कोशिश न करे।' थरूर के मामले में बोले, यह हमारे घर का मामला है। भाजपा पर हमलावर खड़गे ने कहा कि जो लोग कभी राहुल गांधी का नाम नहीं लेते थे या कभी लेते भी थे तो उन्हें गांवों में जाकर खेती सीखने की सलाह देते थे, भारत जोड़ो यात्रा के कारण आज राहुल उन्हें ख्वाब में भी नजर आने लगे हैं।

शासन का एक्शन, मुजफ्फनगर की पालिका अध्यक्ष अंजू अग्रवाल बर्खास्त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टालरेंस की नीति को शीर्ष वरीयता पर रखने वाले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर शासन ने मुजफ्फनगर में बड़ा एक्शन लिया है। गंभीर अनियमितता के आरोप में मुजफ्फनगर की नगर पालिका अध्यक्ष अंजू अग्रवाल को पद से हटा दिया गया है। पहले इनके वित्तीय अधिकार छीने गए थे और अब उनको बर्खास्त कर दिया गया है। मुजफ्फनगर की नगर पालिका अध्यक्ष अंजू अग्रवाल के खिलाफ वित्तीय तथा अन्य अनिमितताओं के गंभीर आरोप थे। उनके बर्खास्त होने पर राजनीतिक हलकों में खलबली मच गई है। शासन को जिलाधिकारी चंद्रभूषण सिंह की ओर से भेजी गई आख्या और पालिका चेयरमैन के स्पष्टीकरण के गुण-दोष के आधार पर शासन ने पालिका अध्यक्ष को उनके पद से बर्खास्त कर दिया गया है। नगर पालिका परिषद मुजफ्फरनगर की चेयरमैन अंजू अग्रवाल को उत्तर प्रदेश नगर पालिका अधिनियम, 1916 की धारा-48 की उपधारा 2 (क) एवं (ख) (6), (7), (10), (11) के कर्तव्य पालन में चूक कर्तव्यों के निर्वहन में गम्भीर अवचार, नगर पालिका निधि को हानि पहुचाने नगर पालिका निधि का दुरूपयोग एवं नगर पालिका के हित के प्रतिकूल कार्य करने के लिए दोषी पाया गया है।

उत्तराखंड बनने के विरोधी नहीं, पक्षधर थे धरती पुत्र मुलायम

1989 में खुद भेजा था पहला प्रस्ताव, राज्य बनाने पर दिया था जोर

पहली बार जब मुख्यमंत्री बने तो राज्य के लिए कमेटी तक गठित की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के संरक्षक और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव अब नहीं रहे। उनका राजनीतिक इतिहास बेहद विराट रहा है। मुलायम सिंह का उत्तराखंड से भी बड़ा नाता रहा है। उत्तराखंड को अलग राज्य बनाने और गैरसैंण को राजधानी बनाने का पहला प्रस्ताव और ड्राफ्ट तैयार कर केंद्र को भेजने वाले पहले नेता मुलायम सिंह यादव ही थे। मुलायम सिंह यादव जब पहली बार साल 1989 में जनता दल से मुख्यमंत्री बने तो उन्होंने पर्वतीय क्षेत्र के लोगों से वादा किया कि वो अलग राज्य बनाएंगे। उसी दौरान मुलायम सिंह ने अलग राज्य बनाने का ड्राफ्ट केंद्र सरकार को भेजा था।

राज्य गठन के लिए कौशिक कमेटी बनाई। उसके बाद मुलायम सिंह यादव जब दूसरी बार 1993 में समाजवादी पार्टी से मुख्यमंत्री बने तो उन्होंने अपनी पहली कैबिनेट बैठक में कौशिक कमेटी बनाने का निर्णय लिया, जिसका अध्यक्ष तत्कालीन कैबिनेट मंत्री रमाशंकर कौशिक को बनाया गया। इसी कमेटी ने उत्तराखंड को अलग राज्य बनाने की रिपोर्ट तैयार की। कमेटी की कई बैठक पर्वतीय क्षेत्र में हुई। कमेटी के गठन के बाद पहली बैठक लखनऊ, दूसरी बैठक अल्मोड़ा में तो तीसरी बैठक पौड़ी में की गई जबकि चौथी बैठक काशीपुर और पांचवीं बैठक फिर से लखनऊ में की गई। कई दौर की बैठक के बाद कौशिक समिति ने उत्तराखंड को अलग राज्य बनाने के लिए कई बिंदुओं पर मंथन किया। इस तरह से मुलायम सरकार की कौशिक समिति ने 10 महीने के भीतर अलग राज्य उत्तराखंड का 13 बिंदुओं का ड्राफ्ट तैयार किया। इसके अलावा विषम भौगोलिक परिस्थितियों को देखते हुए अलग राज्य बनने के बाद चकबंदी भू बंदोबस्त और पर्वतीय राज्यों के मॉडल के तर्ज पर उत्तराखंड राज्य के निर्माण की कल्पना की गई थी। उसी दौरान मुलायम सिंह यादव ने बतौर मुख्यमंत्री रहते हुए अगस्त 1994 में इस रिपोर्ट को उत्तर प्रदेश के दोनों सदनों से पास करवा कर केंद्र को भेज दिया था।

मुजफ्फरनगर गोलीकांड नहीं भूलते उत्तराखंड के लोग

उत्तराखंड के राज्य आंदोलनकारियों के दिलों में यह दर्द हमेशा ही रहेगा कि मुख्यमंत्री रहते मुलायम सिंह यादव की सरकार के दौरान 02 अक्टूबर 1994 को मुजफ्फरनगर गोली कांड जैसे वीभत्स घटना हुई थी। इस गोलीकांड में उत्तराखंड की मांग करने वाले कई राज्य आंदोलनकारियों पर अंधाधुंध गोलियां चलाईं गईं थी और इस गोलीकांड में कई आंदोलनकारियों की मौत भी हुई थी। पुलिस की लाठीचार्ज के बाद कई आंदोलनकारियों की गंभीर चोटें भी आईं थीं। आंदोलनकारियों का कहना है कि लोहिया आंदोलन में संघर्ष करने वाले मुलायम सिंह ने कभी भी मुजफ्फरनगर की घटना के लिए प्रायश्चित नहीं किया और न ही कभी उन दोषियों के खिलाफ कोई कार्यवाही की पहल की। हैरानी कि बात थी कि कई साल गुजरने के बाद भी मुलायम की ओर से इस गोलीकांड के लिए माफी भी नहीं मांगी गई। उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी मंच के सपा नेता मुलायम सिंह के निधन पर शोक व्यक्त कर उनके आत्मा की शांति की प्रार्थना की। जिलाध्यक्ष प्रदीप कुकरेती ने कहा ये उनके जीवन का कड़वा अध्याय था। मुलायम सिंह ने रक्षामंत्री होते हुए वेतन वृद्धि कर सेना के दिल में जगह बनाई थी।

राजनीतिक ही नहीं, पारिवारिक भी हैं संबंध

मुलायम सिंह के साथ उत्तराखंड से कई और भी ऐसी बातें जुड़ी हैं जिसे आम लोग नहीं जानते। मुलायम सिंह यादव चाहते थे कि अलग राज्य बनने के बाद राज्य को पर्वतीय नियमों के तहत आरक्षण मिले। इसमें मुलायम सिंह का यह मत था कि ये आरक्षण जाति आधार पर नहीं बल्कि आर्थिक आधार पर होना चाहिए। मुलायम सिंह का उत्तराखंड से राजनीतिक ही नहीं, पारिवारिक संबंध भी है। खुद मुलायम सिंह ये बात कहते थे कि उत्तराखंड का अगर कोई सही मायने में हितैषी है तो वो मुलायम सिंह ही है। मुलायम सिंह यादव की बड़ी बहू डिंपल यादव पौड़ी से हैं जो रावत परिवार की बेटी हैं तो मुलायम सिंह यादव की दूसरी बहू अपर्णा यादव भी उत्तराखंड के पौड़ी से बिष्ट परिवार से आती हैं।

यादवों को गोलबंद करने में रहे कामयाब

अखाड़े में पहलवानी व शिक्षक की नौकरी करने के बाद राजनीति में आए मुलायम सिंह यादव उत्तर प्रदेश के सामाजिक ताने-बाने को न सिर्फ अच्छे से समझते थे, बल्कि उन्होंने राजनीति में इसका सफल प्रयोग भी किया। प्रदेश की राजनीति में पिछड़ी जातियों व खासकर यादवों की गोलबंदी कर उन्होंने पांच दिसंबर, 1989 को पहली बार सरकार बनाई। अयोध्या आंदोलन के समय मुख्यमंत्री मुलायम ने चेतावनी दी थी कि 'बाबरी मस्जिद गिराना तो दूर, मस्जिद के आसपास परिंदा भी पर नहीं मार सकता है। मुलायम ने अपने इस वचन के पालन में विवादित ढांचे की ओर बढ़ रहे कारसेवकों पर 30 अक्टूबर व दो नवंबर, 1990 में गोलियां चलवा दी थीं। इसके बाद वे मुसलमानों के भी बड़े नेता बन गए। यहीं से उन्हें राजनीति में नया नाम 'मुल्ला मुलायम' भी मिला। वर्ष 1990 में जब मंडल कमीशन की सिफारिशें लागू हुईं तो पिछड़ों की एकता और अगड़ी जातियों से उनके हिंसक विरोध का स्तर बढ़ा। इसी के साथ पिछड़ी जातियों के अपने-अपने नेतृत्व खड़े होने शुरू हो गए। इसी दौरान पिछड़ों में आर्थिक, सामाजिक व राजनीतिक रूप से मजबूत जाति यादव को प्रदेश में मुलायम सिंह यादव गोलबंद करने में कामयाब हो गए।

जानकर बताते हैं कि दस्तावेजों में देखा जाए तो उत्तराखंड राज्य आंदोलन की कई बड़ी किताबें हैं, जिनमें इस बात का साफ जिक्र किया गया है कि मुलायम सिंह यादव उत्तराखंड राज्य बनने के पक्षधर थे न कि खिलाफ थे।

निकाय चुनाव : लोक सभा इलेक्शन से पहले सियासी जमीन मजबूत करने में जुटी बसपा

- **हर घर दस्तक अभियान की शुरुआत, दमदार तरीके से करना चाहती है वापसी**
- **कार्यकर्ता और पदाधिकारी सक्रिय, जीत के लिए कवायद शुरू**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा में करारी शिकस्त के बाद बसपा प्रमुख मायावती अब लोक सभा चुनाव से पहले अपनी सियासी जमीन मजबूत करने में जुट गयी हैं। निकाय चुनाव के जरिए वे पार्टी का दमखम एक बार फिर परखना चाहती हैं। निकाय चुनाव में दमदार तरीके से वापसी के लिए बसपा प्रमुख ने रणनीति तैयार कर ली है। इसके लिए एक ओर उन्होंने अपने सोशल इंजीनियरिंग में बदलाव किया है तो दूसरी ओर हर घर दस्तक अभियान की शुरुआत कर लोगों से संवाद स्थापित करने का खाका तैयार किया है। बसपा के रणनीतिकारों का मानना है कि निकाय चुनाव में बेहतर प्रदर्शन कर पार्टी लोक सभा चुनाव के लिए जनता को संदेश देने की कोशिश करना चाहती है।

पिछले कई चुनावों में शिकस्त के बाद बसपा ने एक बार फिर अपनी रणनीति बदल दी है। आजमगढ़ लोक सभा सीट के उपचुनाव के बाद बसपा ने फिर दलित और मुस्लिम को एकजुट करने पर ध्यान देना शुरू कर दिया है। आजमगढ़ में सपा प्रत्याशी को बसपा प्रत्याशी गुड्डू जमाली ने करीबी टक्कर दी थी। हालांकि यह सीट भाजपा के खाते में आयी लेकिन सपा को टक्कर देने से बसपा प्रमुख को उम्मीद की किरण दिखी। यहां मुस्लिम और दलित वोटरों ने बसपा का साथ दिया था। लिहाजा बसपा को उम्मीद जगी कि यदि दलित-मुस्लिम गठजोड़ तैयार हो जाए तो पार्टी के लिए यह फायदे का सौदा साबित होगा। इसके अलावा बसपा निकाय चुनाव के जरिए भी लोक सभा चुनाव की जमीन तैयार करने में जुटी है। दरअसल, 2017 में अलीगढ़ और मेरठ नगर निगम के महापौर पद के चुनावों में जीत हासिल करने वाली बसपा गत विधान सभा चुनाव में मिले करारे झटके के बाद अब नगर निकाय चुनाव के जरिये दमदार वापसी करने की तैयारी कर रही है। लोगों तक अपनी पहुंच बढ़ाने के लिए बसपा ने कांशीराम परिनिर्वाण दिवस के मौके पर 'हर घर दस्तक' अभियान की शुरुआत की है। इस अभियान के दौरान पार्टी कार्यकर्ता डॉ. भीमराव आंबेडकर, कांशीराम और अन्य दलित महापुरुषों की विचारधारा को लोगों तक पहुंचाएंगे। वहीं बसपा की उपलब्धियों भी बताएंगे।

चलाया था सदस्यता अभियान

जनता में अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए बसपा प्रमुख ने एक जून से प्रदेश भर सदस्यता अभियान भी चलाया था। इसके तहत पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को लोगों को जोड़ने के लिए पार्टी की सदस्यता दिलाने की जिम्मेदारी सौंपी गयी थी। अभियान के दौरान पदाधिकारियों ने जमकर सदस्य बनाए। साथ ही लोगों को बसपा की नीतियों और उपलब्धियों से भी अवगत कराया। इसके अलावा पार्टी ने पुराने और मिशन कार्यकर्ताओं को पार्टी से दोबारा जोड़ने की कवायद में जुटी है।

दलित-मुस्लिमों पर फोकस

बसपा प्रमुख मायावती लगातार दलित और मुस्लिमों पर फोकस कर रही हैं। यही वजह है कि वे प्रदेश में दलित और मुस्लिम समस्याओं को लेकर लगातार प्रदेश की भाजपा सरकार पर लगातार हमले कर रही है। खुद मायावती मुस्लिमों को एक बार फिर बसपा से जुड़ने की अपील करती दिख रही हैं। वे चाहती हैं कि जो मुस्लिम वर्ग सपा के साथ चला गया है वह फिर उनके पाले में आ जाए।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

यूक्रेन संकट का समाधान जरूरी

सात माह से अधिक समय से रूस-यूक्रेन के बीच युद्ध जारी है और अब यह विनाशक मोड़ की तरफ बढ़ता दिख रहा है। यूक्रेन द्वारा क्रीमिया पुल पर अटैक ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच दिया। बदले में रूसी सेना ने यूक्रेन की राजधानी कीव समेत कई शहरों पर मिसाइलों की बरसात कर दी है। कई शहर तबाह हो गए। यही नहीं रूस ने और कड़े हमले करने की चेतावनी दे दी है। सवाल यह है कि वैश्विक शक्तियां युद्ध को समाप्त करने की कोशिश क्यों नहीं कर रही हैं? क्या अमेरिका और यूरोपीय देश रूस को लंबे युद्ध में उलझाकर उसे आर्थिक रूप से तबाह करना चाहते हैं? रूस या यूक्रेन शांति की पहल क्यों नहीं कर रहे हैं? क्या तबाह हो चुका यूक्रेन रूस के हित में होगा? आखिर यूक्रेन को घातक हथियार कौन मुहैया करा रहा है? क्या एक और परमाणु युद्ध की तरफ दुनिया बढ़ रही है? क्या युद्ध, वैश्विक मंदी और खाद्यान्न संकट का कारण नहीं है?

नाटो में यूक्रेन को शामिल करने की यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की की इच्छा युद्ध का प्रमुख कारण है। पुतिन ने न केवल इसका विरोध किया बल्कि इसे रूस की सुरक्षा के लिए खतरा बताया था लेकिन यूक्रेन जिद पर अड़ा रहा और फरवरी में रूस ने यूक्रेन पर हमला कर दिया। इधर जब रूसी सेनाएं कुछ क्षेत्रों से हट रही थीं तभी यूक्रेन ने क्रीमिया ब्रिज पर हमलाकर रूस को उकसा दिया। इसी ब्रिज से रूस यूक्रेन के दक्षिणी हिस्से में सेना के लिए हथियार और अन्य जरूरी सामान की सप्लाई करता है। लिहाजा रूस ने फिर हमले शुरू कर दिए है। युद्ध के कारण यूक्रेन के अधिकांश शहर तबाह हो चुके हैं। लाखों लोग पलायन कर चुके हैं। खेती-बाड़ी चौपट हो चुकी है। वहीं अमेरिका और अन्य देशों ने शांति बहाल करने के लिए जरूरी कदम उठाने की जगह रूस पर आर्थिक प्रतिबंध लगा दिए और यूक्रेन को हथियार दे रहे हैं। यह स्थिति तब है जब पश्चिमी यूरोप में रूस से होने वाली गैस की सप्लाई ठप पड़ गयी है। फ्रांस और ब्रिटेन समेत कई देशों में बिजली का संकट उत्पन्न हो गया है और यदि इसका समाधान नहीं किया गया तो सर्दियों में लाखों लोगं ठंड की चपेट में आ जाएंगे। गैस आपूर्ति ठप पड़ने पर माइनस डिग्री तापमान में यूरोप के लोगों को अपने घरों को गर्म करना कठिन होगा। खाद्यान्न संकट भी गहरा गया है क्योंकि यूरोप को अधिकांश अनाज यूक्रेन और रूस से भेजा जाता है। पुतिन परमाणु युद्ध की धमकी भी दे चुके हैं। इसके बावजूद वैश्विक शक्तियों का युद्ध पर मौन रहना पूरी मानवता के लिए अभिशाप साबित हो सकता है। वैश्विक शक्तियों को इस युद्ध को रोकने के लिए प्रयत्न करना चाहिए।

सवाल यह है कि वैश्विक शक्तियां युद्ध को समाप्त करने की कोशिश क्यों नहीं कर रही हैं? क्या अमेरिका और यूरोपीय देश रूस को लंबे युद्ध में उलझाकर उसे आर्थिक रूप से तबाह करना चाहते हैं? रूस या यूक्रेन शांति की पहल क्यों नहीं कर रहे हैं? क्या तबाह हो चुका यूक्रेन रूस के हित में होगा? आखिर यूक्रेन को घातक हथियार कौन मुहैया करा रहा है? क्या एक और परमाणु युद्ध की तरफ दुनिया बढ़ रही है?

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

संपादक को पत्र...

सर, मैंने कई तरह के अखबार पढ़े हैं, लेकिन आपका अखबार एकदम अलग लगा। आपका अखबार हर खबर की तह तक जाता है जो बहुत ही अलग बात है। इसमें आप हर बात को बड़ी सच्चाई और तथ्यों के साथ पेश करते हैं। आपके अखबार का नाम भी अलग है। वाकई 4 पीएम से हमेशा अलग खबरें मिलती हैं। इस 8 पेज के अखबार में सभी चीजें मिल जाती हैं जैसे एक बड़े अखबार में। गंभीर खबरों के साथ रोचक भी है आपका अखबार। मसलन अजब-गजब, चुटकुले के साथ कहानियां भी काफी अच्छी होती हैं। इसके अलावा फिल्मी दुनिया से जुड़ी ताजा खबरों की जानकारी भी मिलती है।

ममता प्रजापति
दुबग्गा, लखनऊ

सर, मुझे व्यक्तिगत तौर पर यह अखबार सबसे बेहतर लगा। सबसे अलग तरह की खबरें मिलती हैं 4 पीएम में। खासकर अखबार की जो लिखने की शैली है वह सभी अखबारों से एकदम जुदा है। सभी खबरों की हेडलाइन बेहद आकर्षक होती है। आपके अबखार का जो स्लोगन है जिद सच की वह आपकी खबर के हिसाब से एकदम सटीक है। आपका अखबार एकदम सच्ची खबरें प्रकाशित करता है। बिना किसी के डर के। भ्रष्टाचार की पोल खोलती और सियासी विश्लेषण करती खबरें बेहद पठनीय होती हैं। कुल मिलाकर अखबार में गागर में सागर भरने की सफल कोशिश दिखायी पड़ती है।

राहुल गुप्ता
जानकीपुरम, लखनऊ

अलविदा! समाजवादी योद्धा मुलायम सिंह

डॉ. सुनीलम

उत्तर प्रदेश के तीन बार मुख्यमंत्री एवं देश के रक्षा मंत्री रहे समाजवादी नेता मुलायम सिंह यादव का 10 अक्टूबर को मेदांता अस्पताल में निधन हो गया।

9अक्टूबर को मैं मेदांता अस्पताल नेताजी को देखने गया था। वहां लंबे समय तक अखिलेश , रामगोपाल, रामगोविन्द चौधरी , ओम प्रकाश] शिवपाल और अरुण श्रीवास्तव के साथ कई घंटे बैठा। सभी को उम्मीद थी कि नेताजी कुछ दिनों में स्वस्थ हो जाएंगे। मन को तमाम शंकाएं घेरे हुए थीं फिर भी ग्वालियर में कार्यक्रम के चलते लौट आया। रात को नेताजी के साथ बिताया समय याद आने लगा , नींद बिलकुल नहीं आई । सुबह रणवीर यादव ने फोन करके बतला कि नेताजी नहीं रहे। मुझे लगा जैसे जे पी की मृत्यु की खबर फैल गई थी वैसा ही हुआ होगा। फिर अखिलेश जी का ट्वीट देखा । लगा जैसे पैर के नीचे से जमीन खिसक गई । पर मौत एक अटल सत्य है जानता हूं, जिसे सभी को स्वीकार करना पड़ता है । मैंने भी स्वीकार कर लिया। अभी नेताजी के अंतिम दर्शन सैफई में किए हैं।

नेताजी के प्रशंसक, लाखों का जनसैलाब दिखलाई पड़ रहा है। उत्तरप्रदेश और देश के तमाम नेता और विशिष्ट गण दिखलाई पड़ रहे हैं। मुलायम सिंह जिन्हें नेताजी या धरतीपुत्र कहा जाता था , उनकी खासियत यह थी कि वे मानसिक तौर पर सदा समाजवादी आंदोलन के स्वर्णिम काल के दौर में ही जिया करते थे,जब डॉ लोहिया सोशलिस्ट पार्टी के नेता हुआ करते थे। जीवन में मैं जितनी बार भी नेताजी से मिला या दौरे में साथ रहा वे समाजवादी आंदोलन के साथ सैफई, इटावा और अपने परिवार से जुड़े किस्से सुनाया करते थे। देश में आजादी के बाद तमाम विधायक, सांसद, मंत्री, मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री और प्रधानमंत्री बने लेकिन कोई भी अपने पैतृक गांव को उस मुकाम तक नहीं पहुंचा पाया, जिस मुकाम पर नेताजी ने सैफई को पहुंचा दिया। सभी जिले स्तर की सुविधाएं अपने ग्रामवासियों को मुहैया कराई। नेताजी कार्यकर्ताओं को एक साथ भावनात्मक तौर पर जोड़े रहते थे, उनकी मदद करते थे और उनकी सलाह माना करते थे, इसके हजारों उदाहरण मिल जाएंगे।

बैतूल के पाथाखेड़ा में मुझे मारने की मंशा से मेरी मोटरसाइकिल को टक्कर मारी गई, पैर का पूरा मांस बाहर निकल गया तथा गैंगरीन का संक्रमण हुआ। नेताजी को इस बात का पता चला तो उन्होंने मिलने पर मेरे हाथ को सिर पर रख कर कहा कि मैंने अपने बहुतों को खोया है, मैं तुम्हें नहीं खोना चाहता। अब कभी मोटरसाइकिल से और डिब्बी जैसी मारुति से नहीं चलना। मैंने कहा- नेताजी जीप नहीं हो तब! उन्होंने कहा, मैं आज ही नई जीप का इंतजाम करता हूं। हालांकि तब मैं विधायक बन चुका था। जीप मैंने बैंक से फाइनेंस करा ली थी इसलिए नेताजी से लेने की जरूरत नहीं पड़ी। इसी तरह जब मुलताई गोली चालन को लेकर मुझ पर चल रहे मुकदमें में फैसले निर्णायक दौर में चल रहे थे, तब नेताजी चिंतित हो गए। उन्होंने कई बार मुझसे कहा कि मुझे ऐसा लगता है कि तुम्हें षड्यंत्र करके सजा दी जाएगी। तुम कुछ करो। हर बार मैं कहता था कि निर्णय तो न्यायालय को करना है, मैं क्या कर सकता हूं? तब वे शिवपाल का किस्सा सुनाते थे, जब उन्हें हत्या के मामले में झूठा फंसा दिया था। मैं उनसे कहता था कि जैसे आपने शिवपाल की मदद की थी, वैसी मेरी कीजिए। तब उन्होंने मेरे केस लड़ रही एडवोकेट आराधना भार्गव को बुलाया, केस समझा तथा कुछ बड़े वकीलों से बात की लेकिन इस बीच मेरे ही 24 किसानों के शहीद होने के बावजूद मुझे ही 52 वर्ष की सजा सुनाई गई।

तब नेता जी ने अखिलेश को कहकर जमानत कराने के लिए आर्थिक मदद की थी। नेताजी अपने कार्यकर्ताओं को बहुत मान दिया करते थे। जब भी वे मेरा परिचय नए लोगों से कराते थे तो वे कहते थे कि डॉ. सुनीलम बहुत विद्वान नौजवान है। इन्होंने डी.लिट. किया है। हर बार मैं उन्हें बाद में कहता था कि आप मेरा परिचय इस तरह क्यों कराते हैं ? मैंने डी.लिट नहीं पीएचडी किया है। तब वे कहते थे कि यह सम्मान देने का तरीका है। साथ में यह भी कहते थे कि डॉ.लोहिया ने एक बार मेरी प्रशंसा करते हुए भाषण दिया था, तो मैं तीन बार मुख्यमंत्री बन गया लेकिन तुम इतनी प्रशंसा के बाद भी मुझसे बहस करते हो। इस बात को अमर सिंह बहुत हवा दिया करते थे। वे कहते थे कि मैं सपने में भी कभी ऐसा नहीं सोचता लेकिन तुम नेताजी से जवान लड़ाते हो। तुम्हारा पार्टी में कोई भविष्य नहीं है। तब नेता जी कहते थे कि अमर सिंह डॉ सुनीलम लोहिया वादी है। अमर सिंह उलाहना देते हुए कहते थे, लोहियावादियों के सौ खून माफ है । तमाम लोग यह आरोप लगाते हैं कि नेता जी यादववादी थे लेकिन यदि उनके मुख्यमंत्री के तीनों कार्यकाल देखे जाए तो पता चलेगा कि उन्होंने विभिन्न जातियों के नेताओं को अपने मंत्रिमंडल में स्थान दिया। सभी जातियों के कार्यकर्ताओं को संगठन में स्थान दिया। मुझे याद है जब समाजवादी चिंतक मधु लिमये सक्रिय राजनीति से अलग हो चुके थे, तब नेताजी जब भी दिल्ली आते थे मधु लिमये से उनके पंडारा पार्क स्थित आवास में मिला करते थे। छोटे लोहिया के नाम से मशहूर जनेश्वर मिश्र के जन्मदिन पर सदा दिन भर बैठा करते थे। बृजभूषण तिवारी, मोहन सिंह, रामजी लाल सुमन इनके प्रिय साथी थे। नेताजी ने लखनऊ में जो लोहिया पार्क बनवाया था, उसमें 7 नेताओं की मूर्तियां लगवाई, जिनका समाजवादी आंदोलन में अभूतपूर्व योगदान रहा, उनमें से एक मामा बालेश्वर दयाल भी थे। एक दिन देर रात नेताजी का फोन आया कि मामा बालेश्वर दयाल की दो फोटो लेकर तुरंत लखनऊ आओ। मैंने रात में ही राजेश बैरागी को झाबुआ में फोन किया। 2 दिन बाद हम लखनऊ में नेताजी से मिले। उन्होंने कहा कि मुझे घर में और पार्टी कार्यालय में फोटो लगानी थी इसीलिए फोन किया था। हमारे सामने ही उन्होंने घर में मामा जी की फोटो लगवाई। यूं तो मेरी मुलाकात नेताजी से बहुत पुरानी थी। लेकिन प्रगाढ़ता तब बनी जब नेताजी से मेरी आमने- सामने की मुलाकात किसान, मजदूर, आदिवासी क्रांति दल के समाजवादी पार्टी में विलय को लेकर जनेश्वर मिश्र के निवास पर चार बार विस्तृत तौर पर बातचीत हुई। नेताजी का कहना था कि किसी भी परिवर्तन के लिए राजनीतिक औजार की जरूरत होती है। किसान संगठन से आंदोलन तो खड़ा किया जा सकता है, कुछ मांगे मनवाई जा सकती है लेकिन बुनियादी परिवर्तन के लिए राजनीतिक पार्टी होना चाहिए। वे इस तरह से उदाहरण देते थे कि महेंद्र टिकैट, नन्जूल स्वामी और शरद जोशी ने बड़े आंदोलन खड़े किए लेकिन वे राजनीतिक ताकत नहीं बना पाए, न ही अपने प्रभाव क्षेत्र में विधायक- सांसद जीता पाए। वे कहते थे कि आंदोलन सतत रूप से चलना संभव नहीं होता। सरकार द्वारा मांगे माने जाने पर आंदोलन समाप्त हो जाता है और लंबे समय तक मांगे न माने जाने पर भी आंदोलन समाप्त हो जाता है। ऐसी स्थिति में राजनीतिक हथियार की जरूरत होती है। मैंने जब नेताजी से पूछा था कि आप मुझे जनेश्वर मिश्र के यहां क्यों बुलाते हैं, अपने घर पर क्यों नहीं ? तब वे कहते थे कि यदि समाजवादी चिंतक मधु लिमये जिंदा होते तो मैं उनसे कहकर तुम्हारे कान पकड़वाकर सब कुछ करवा सकता था, लेकिन अब वे नहीं है। मुझे मालूम है कि तुम अगर सुनोगे तो जनेश्वर जी की बात सुनोगे, इस कारण तुम्हें यहां बुलाता हूं। तीन बार बात होने के बाद चौथी बार जब बात हुई तब जनेश्वर जी ने कहा कि अब कोई बात नहीं होगी। किसान, मजदूर, आदिवासी क्रांति दल का भोपाल में विलय होगा। मैं और मुलायम सिंह आएंगे । जनेश्वर जी ने नेताजी से कहा कि तुम्हारे पास सुनीलम की शिकायतें लेकर बहुत सारे लोग आएंगे।

जरा फास्ट है, बहुत नेताओं से मिलता-जुलता है। तुम उन पर ध्यान मत देना, मन में गलतफहमी मत पालना, सीधे बुला कर पूछ लेना। मुझे भरोसा है कि वह तुमसे झूठ नहीं बोलेगा। जो लाइन बताओगे उसी पर काम करेगा, फिर भी यदि कभी गड़बड़ करे तो मुझे बताना, मैं कान पकड़कर सब करवा लूंगा। भोपाल में विलय की तारीख तय हो गई। तब से आज तक मैं समाजवादी पार्टी में हूं। अन्ना आंदोलन के दौरान जब मैं पार्टी का राष्ट्रीय सचिव था, तब मैंने प्रयास किया कि समाजवादी पार्टी, अन्ना आंदोलन का समर्थन करें। नेताजी ने कहा कि समाजवादी पार्टी भ्रष्टाचार के खिलाफ संघर्ष करने में सक्षम है, आपको किसने रोका है। तब मैं अन्ना आंदोलन में सक्रिय रहा तथा मुझे अन्ना आंदोलन की कोर कमेटी में शामिल किया गया। जब तक मैं पार्टी का राष्ट्रीय सचिव रहा तथा मध्य प्रदेश में 8 विधायकों के विधायक दल का नेता रहा, कई बार ऐसे अवसर आए, जब मैंने नेताजी को जनेश्वर जी की बात याद दिलाई। असल में किसान संघर्ष समिति को लेकर तमाम लोग गलतफहमी पैदा करने की कोशिश करते थे। अमर सिंह तो नेताजी के सामने जितनी बार मिले होंगे, उतनी बार कहते थे कि तुम हरा गमछा क्यों डालते हो? मैं बराबर कहता था कि यह किसानों के संघर्ष की शहीदों की निशानी है तथा मैं कौन से कपड़े पहनूं यह मेरा अपना निर्णय है, मैं आपके कपड़ों को लेकर कभी टिप्पणी नहीं करता, आपको भी मेरे कपड़ों को लेकर टिप्पणी नहीं करनी चाहिए। दूसरी गलतफहमी पूर्व प्रधानमंत्री वीपी सिंह के साथ तमाम कार्यक्रमों में शामिल होने को लेकर होती थी। मेरे सामने ही कहा कि वीपी सिंह लगातार आप के खिलाफ काम करते हैं। उन दिनों दादरी का आंदोलन चल रहा था। नेताजी मुख्यमंत्री थे । मैंने नेताजी से कहा कि अमर सिंह पार्टी के महामंत्री और कर्ताधर्ता है लेकिन वे सभी पार्टियों से मिलते-जुलते हैं तथा मुझे पता है कि वीपी सिंह के साथ भी मुलाकात करते हैं। उनकी मुलाकात ठाकुर होने के चलते होती है। मैंने कहा कि पार्टी का अनुशासन सब पर एक जैसा लागू होना चाहिए। इस तरह की नोकझोंक मेरी नेताजी के सामने अमर सिंह के साथ चलते रहती थी। अमर सिंह ने एक बार सीधे-सीधे राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में मुझ पर बड़ा आरोप लगा दिया। उन्होंने कहा कि कार्यकारिणी में एक ऐसा व्यक्ति भी बैठा है, जो मुझे जेल पहुंचाने का षड्यंत्र कर रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों को पार्टी से निकाला जाना चाहिए। उन्होंने नेताजी को धमकाते हुए कहा कि यदि मैं जेल जाऊंगा तो आप भी नहीं बचेंगे। असल में अमर सिंह पूर्व विधायक किशोर समरीते की शिकायत कर रहे थे क्योंकि उन्होंने पार्टी के चुनाव प्रचार के लिए राशि को छापा डालकर पकड़वाने की कोशिश की थी। किशोर को पार्टी से निकाल दिया गया। मैंने पर्ची लिख कर भेजी यह ठीक नहीं हुआ। उन्होंने कहा अमर सिंह से बात कर लो। मैंने बात की, किशोर से माफी मंगवाई ,पार्टी से बर्खास्तगी वापस हो गई । नेताजी ने किशोर की पीठ ठोककर कहा, पार्टी के सभी नेताओं का सम्मान करना सीखो। नेताजी अपने निर्णय को बदलने में भी कभी पीछे नहीं हटते थे यदि उन्हें यह भरोसा हो जाता था कि उन्हें किसी कार्यकर्ता द्वारा दिया गया सुझाव बेहतर या उपयुक्त है। नेताजी के प्रिय साथी पांच बार सांसद रहे बृजभूषण तिवारी का जब अचानक देहांत हो गया, खबर पाते ही वे अस्पताल पहुंचे तथा शरीर पर लेप लगवाने और हेलीकॉप्टर से बस्ती भिजवाने का इंतजाम करके चले गए। मैं जब वहां पहुंचा तो मैंने प्रोफेसर उदय प्रताप को सुझाव दिया कि लंबे समय तक बृजभूषण दिल्ली में रहे हैं, उनके पार्थिव शरीर को समाजवादी पार्टी कार्यालय में रखा जाना चाहिए। प्रोफेसर साहब ने

कहा कि मैं नेताजी से बात करता हूं। नेताजी ने तुरंत उनका सुझाव मान लिया। पार्थिव शरीर समाजवादी पार्टी कार्यालय दिल्ली लाया गया, जहां लगभग सभी पार्टी के नेताओं एवं केंद्र सरकार के मंत्रियों और उपराष्ट्रपति ने आकर उन्हें पुष्पांजलि दी। मुझे याद है जब मैंने डॉ. लोहिया के जन्म शताब्दी वर्ष पर युसूफ मेहेर अली सेंटर और राष्ट्र सेवा दल के 30 युवाओं के साथ देश भर की सप्तक्रांति विचार यात्रा की तब उन्होंने कानपुर में शिवपाल को भेजा। अंबिका चौधरी, नीरज को बलिया में यात्रा की अगवानी के लिए भेजा। कानपुर में शिवपाल आए ,उन्होंने पार्टी की तरफ से यात्रा के लिए पांच लाख रुपए देने की घोषणा की लेकिन यात्रा के लिए यह नियम तय किया गया कि किसी से भी 50 हजार से ज्यादा नहीं लिया जाएगा। इसलिए मैंने साढ़े चार लाख रूपये वापस किया। जब जॉर्ज फर्नांडीज ज्यादा बीमार हुए और उन्हें अचानक हरिद्वार रामदेव बाबा के पास ले जाया गया तब मैंने नेताजी से कहा कि आप बाबा से बात कीजिए । उन्होंने तुरंत फोन लगाकर कहा कि जॉर्ज साहब मेरे नेता है उनका ख्याल रखना, उन्हें 15 दिन में ठीक करके भेजना। बाबा ने कहा कि मैं उन्हें दौड़ा दूंगा । तब नेताजी ने हंसते हुए कहा कि तुम दौड़ा पाओ या ना दौड़ा पाओ लेकिन अगर जॉर्ज साहब को कुछ हो गया तो मैं तुम्हें दौड़ा दूंगा।

नेताजी का सबसे बड़ा वैचारिक योगदान यह रहा कि उन्होंने 1977 में सोशलिस्ट पार्टी के विलय के बाद 4 अक्टूबर 1992 को लोहिया को प्रतीक बनाकर समाजवादी पार्टी का गठन किया। जिसने सामाजिक न्याय और सांप्रदायिकता के मुद्दे पर स्थापना से लेकर आज तक कोई समझौता नहीं किया। संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के लिए उन्होंने सरकार को लात मार दी लेकिन मुसलमानों की सुरक्षा और सम्मान पर आंच नहीं आने दी। इसका परिणाम यह रहा कि उन्हें मुल्ला मुलायम तक कहा गया। राजनीतिक स्तर पर अपने विरोधी रहे बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक कांशीराम को उन्होंने अपने क्षेत्र इटावा से तन-मन-धन लगाकर जितवा कर सांसद बनवाया। सामाजिक उत्पीड़न की प्रतीक फूलन देवी को भी संसद में पहुंचाया। इसी तरह मुंबई ब्लास्ट में झूठे आरोपी बनाए गए अबू आजमी को उन्होंने राज्यसभा में भेजने के साथ-साथ उन्हें महाराष्ट्र पार्टी की कमान सौंप दी। आजम खान के साथ आजीवन उनका अटूट रिश्ता रहा। बीच में आजम खान नाराज हो गए थे, मुझे याद है जब गोरखपुर सम्मेलन में आजम खान लौटे तब दोनों ने एक ही बात कही कि हम एक दूसरे से अलग नहीं रह सकते। नेताजी के देहांत होने से समाजवादी आंदोलन को जो नुकसान हुआ है उसकी भरपाई करना किसी भी नेता के लिए संभव नहीं होगा।

(लेखक, सपा के पूर्व विधायक व पूर्व राष्ट्रीय सचिव हैं।)

सुहागिन महिलाएं पति की लंबी आयु के लिए रखती हैं

करवा चौथ

मान्यता

करवाचौथ का हिंदू धर्म में विशेष महत्व माना जाता है। इस दिन, सुहागिन महिलाएं सौलह श्रृंगार कर अपने पति की लंबी आयु के लिए व्रत रखती हैं। इस दिन सुहागिन महिलाएं निर्जला व्रत रखकर शिव परिवार के साथ साथ करवा माता की पूजा उपासना करती हैं और उनसे अपनी पति की लंबी आयु की कामना करती हैं।

करवा चौथ पर चांद निकलने का समय

शहर	समय
दिल्ली	8 बजकर 09 मिनट पर
नोएडा	8 बजकर 08 मिनट पर
मुंबई	8 बजकर 48 मिनट पर
जयपुर	8 बजकर 18 मिनट पर
देहरादून	8 बजकर 02 मिनट पर
लखनऊ	7 बजकर 59 मिनट पर
शिमला	8 बजकर 03 मिनट पर
गांधीनगर	8 बजकर 51 मिनट पर
इंदौर	8 बजकर 27 मिनट पर
भोपाल	8 बजकर 21 मिनट पर
अहमदाबाद	8 बजकर 41 मिनट पर
कोलकाता	7 बजकर 37 मिनट पर
पटना	7 बजकर 44 मिनट पर
प्रयागराज	7 बजकर 57 मिनट पर
कानपुर	8 बजकर 02 मिनट पर
चंडीगढ़	8 बजकर 06 मिनट पर
लुधियाना	8 बजकर 10 मिनट पर
जम्मू	8 बजकर 08 मिनट पर
बंगलूरू	8 बजकर 40 मिनट पर
गुरुग्राम	8 बजकर 21 मिनट पर
असम	7 बजकर 11 मिनट पर

करवाचौथ कार्तिक माह की कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को मनाया जाता है। इस साल करवाचौथ का व्रत 13 अक्टूबर दिन गुरुवार को रखा जाएगा। करवाचौथ पर इस बार बेहद ही शुभ संयोग बन रहा है। इस दौरान यदि चंद्रमा की पूजा की जाए तो दांपत्य जीवन के लिए बेहद शुभ फलदायी साबित होगा। करवाचौथ का व्रत सुहागिन महिलाएं अपने पति की लंबी आयु के लिए रखती है और कुंवारी कन्या मन अनुकूल जीवनसाथी पाने के लिए इस व्रत को करती हैं। इस व्रत में मां पार्वती, भगवान शिव और गणेशजी की पूजा की जाती है। आइए जानते हैं करवाचौथ पर किस समय चंद्रमा की पूजा करना रहेगा बेहद शुभ फलदायी।

पूजा के लिए शुभ मुहूर्त

रोहिणी नक्षत्र में चंद्रमा की पूजा करना बेहद शुभ फलदायी माना जाता है। करवाचौथ के दिन शाम में रोहिणी नक्षत्र 6 बजकर 41 मिनट पर लग रहा है तो ऐसे में इस समय के बाद पूजा करना लाभकारी रहेगा। दरअसल, रोहिणी चंद्रमा की सबसे प्रिय पत्नी हैं। चौथ तिथि का आरंभ 12 अक्टूबर को रात में 2 बजे से चतुर्थी तिथि का आरंभ होगा और 13 तारीख में मध्य रात्रि 3 बजकर 09 मिनट पर समाप्त होगी।

बेहद शुभ संयोग

करवाचौथ पर सिद्धी योग बन रहा है। इसी के साथ दिन का आरंभ सर्वार्थ सिद्धि योग से हो रहा है। इस दिन शुक्र और बुध दोनों एक राशि यानी कन्या राशि में रहेंगे इसलिए इस दिन लक्ष्मी नारायण योग बनेगा। इसके अलावा बुध और सूर्य भी एक साथ हैं जिस वजह से बुध आदित्य योग भी इस दिन बन रहा है। वहीं, शनि अपनी राशि मकर में होंगे और गुरु मीन राशि में होंगे, गुरु मीन राशि में और बुध अपनी राशि कन्या में रहेंगे। तीनों ग्रह अपनी स्वराशि में रहेंगे और इस दिन चंद्रमा अपनी उच्च राशि वृषभ में रहेंगे। यह सभी मिलकर बहुत ही शुभ संयोग बना रहे हैं।

कलश और थाली

करवाचौथ की पूजा में मिटटी या तांबे के कलश से चन्द्रमा को अर्घ्य दिया जाता है। पुराणों में कलश को सुख-समृद्धि,ऐश्वर्य और मंगल कामनाओं का प्रतीक माना गया है। मान्यता है कि कलश में सभी ग्रह, नक्षत्रों एवं तीर्थों का निवास होता है। इनके आलावा ब्रह्मा, विष्णु, रूद्र, सभी नदियों, सागरों,सरोवरों एवं तेतीस कोटि देवी-देवता कलश में विराजते हैं। इसके अलावा पूजा की थाली में रोली, चावल, दीपक, फल, फूल,पताशा ,सुहाग का सामान और जल से भरा कलश रखा जाता है। करवा के ऊपर मिटटी की सराही में जौ रखे जाते हैं । जौ समृद्धि,शांति,उन्नति और खुशहाली का प्रतीक होते हैं। इन सभी सामग्रियों से करवा माता की पूजा की जाती है और आशीर्वाद लेकर अपने परिवार के मंगल कामना की प्रार्थना कर पूजा सपन्न की जाती है।

दीपक और छलनी का महत्व

करवा चौथ की पूजा में दीपक और छलनी का विशेष महत्व है। शास्त्रों के अनुसार प्रकाश ज्ञान का प्रतीक है और दीपक जलाने से नकारात्मकता दूर होती है एवं पूजा में ध्यान केंद्रित होता है जिससे एकाग्रता बढ़ती है। करवा चौथ पर महिलाएं छलनी में दीपक रखकर चांद को देखती हैं और फिर पति का चेहरा देखती हैं। इसकी वजह करवा चौथ में सुनाई जाने वाली वीरवती की कथा से जुड़ा हुआ है। बहन वीरवती को भूखा देख उसके भाइयों ने चांद निकलने से पहले एक पेड़ की आड़ में छलनी में दीप रखकर चांद बनाया और बहन का व्रत खुलवाया।

हंसना मना है

एक बाबा किसी महफिल में गए, वहां सब उनका मजाक उड़ाने लगे। बाबा ने कहा- देखो हम फकीर लोग हैं, हमारा मजाक न उड़ाएं लोग खूब हंसे... अचानक उन सबको दिखना बंद हो गया, वे अंधे हो गए वो सब बाबा के कदमों में गिर गए बाबा जी हमें माफ कर दो बाबा ने जूता उतारा और सबके एक-एक मारा और बोले सालों लाइट चली गई है, कोई जेनरेटर ऑन करो मुझे भी दिखाई नहीं दे रहा है...

संता ने पूछा बंता से- बंता भईया जिसको सुनाई नहीं देता, उसको क्या कहते हैं ? बंता बोला- कुछ भी कह लो भईया जब उसे सुनाई ही नहीं देता।

एक महिला अपनी सहेली से- मुझे अपने पति पर शक है, वो छिप-छिपकर किसी से मिलते हैं। सहेली- तो अब क्या करेगी तू... महिला- कल ही उनके पीछे अपना बॉयफ्रेंड लगाती हूं...।

लड़का गर्लफ्रेंड के घर के बाहर खड़ा था तभी आंटी बाहर आयी आंटी-क्यों खड़े हो ? लड़का-ऐसे ही आंटी-बेटा यही उम्र है, थोड़ा पढ़ो लिखो कैरियर सेट कर लो लड़का- आपकी लड़की तो मेरे से सेट हो नहीं रही, कैरियर क्या खाक सेट करूंगा...।

कहानी | घमंड का सिर नीचा

एक गांव में उज्वलक नाम का बढ़ई रहता था। वह बहुत गरीब था। गरीबी से तंग आकर वह गांव छोड़कर दूसरे गांव के लिये चल पड़ा। रास्ते में घना जंगल पड़ता था। वहां उसने देखा कि एक ऊंटनी प्रसवपीड़ा से तड़फड़ा रही है। ऊँटनी ने जब बच्चा दिया तो वह उँट के बच्चे और ऊँटनी को लेकर अपने घर आ गया। वहां घर के बाहर ऊँटनी को खूंटी से बांधकर वह उसके खाने के लिये पत्तों-भरी शाखायें काटने वन में गया। ऊंटनी ने हरी-हरी कोमल कोंपलें खाई। बहुत दिन इसी तरह हरे-हरे पत्ते खाकर ऊंटनी स्वस्थ और पुष्ट हो गई। ऊँट का बच्चा भी बढ़कर जवान हो गया। बढ़ई ने उसके गले में एक घंटा बांध दिया, जिससे वह कहीं खोया न जाय। दूर से ही उसकी आवाज सुनकर बढ़ई उसे घर लिवा लाता था। ऊंटनी के दूध से बढ़ई के बाल-बच्चे भी पलते थे। ऊंट भार ढोने के भी काम आने लगा। उस ऊँट-ऊँटनी से ही उसका व्यापर चलता था। यह देख उसने एक धनिक से कुछ रुपया उधार लिया और गुर्जर देश में जाकर वहां से एक और ऊँटनी ले आया। कुछ दिनों में उसके पास अनेक ऊँट-ऊँटनियां हो गईं। उनके लिये रखवाला भी रख लिया गया। बढ़ई का व्यापार चमक उठा। घर में दुधकी नदियाँ बहने लगीं। शेष सब तो ठीक था। किन्तु जिस ऊँट के गले में घंटा बंधा था, वह बहुत गर्वित हो गया था। वह अपने को दूसरों से विशेष समझता था। सब ऊँट वन में पत्ते खाने को जाते तो वह सबको छोड़कर अकेला ही जंगल में घूमा करता था। उसके घंटे की आवाज़ से शेर को यह पता लग जाता था कि ऊंट किधर है। सबने उसे मना किया कि वह गले से घंटा उतार दे, लेकिन वह नहीं माना। एक दिन जब सब ऊंट वन में पत्ते खाकर तालाब से पानी पीने के बाद गांव की ओर वापस आ रहे थे, तब वह सब को छोड़कर जंगल की सैर करने अकेला चल दिया। शेर ने भी घंटे की आवाज सुनकर उसका पीछा किया। और जब वह पास आया तो उस पर झपट कर उसे मार दिया।

सीख: घमंड का सिर नीचा।

7 अंतर खोजें

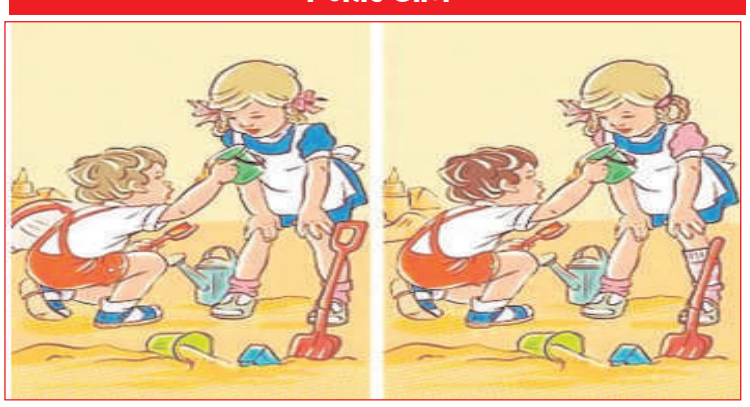

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

केवल एक दिन को नजर में रखकर जीने की अपनी आदत पर काबू करें और जरूरत से ज्यादा वक्त व पैसा मनोरंजन पर खर्च न करें। पुराने परिचितों से मिलने-जुलने और पुराने रिश्तों को फिर से तरोताजा करने के लिए अच्छा दिन है।

वृषभ

आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। किसी ऐसे व्यक्ति से मुलाकात हो सकती है, जिससे मिलकर मन प्रसन्न हो जायेगा। आज काम के मामले में कोई बड़ी चुनौती भी आपके सामने आ सकती है।

मिथुन

आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। इस राशि के व्यापारी वर्ग को अचानक धन लाभ होगा। घर में खुशियों का आगमन होगा। आपकी व्यावहारिक प्रवृत्ति को देखकर लोग आपकी प्रशंसा करेंगे।

कर्क

आपकी जी-तोड़ मेहनत और परिवार का सहयोग इच्छित परिणाम देने में कामयाब रहेंगे। लेकिन तरक्की की रफ्तार बरकरार रखने के लिए मेहनत इसी तरह जारी रखें।

सिंह

आज खास दिन है, क्योंकि अच्छा स्वास्थ्य आपको कुछ असाधारण काम करने की क्षमता देगा। माता-पिता की मदद से आप आर्थिक तंगी से बाहर निकलने में कामयाब रहेंगे।

कन्या

परिवार के सदस्य सहयोगी होंगे, लेकिन उनकी काफी सारी मांगें होंगी। किसी से विवाद और मतभेद हो सकते हैं। खर्चा और फालतू दौड़-भाग हो सकती है। धन हानि भी हो सकती है।

तुला

आज कामकाज में आपका पूरा मन लगेगा। अगर किसी जरूरी काम को पूरा करने की सोच रहे हैं, तो उसे आज समय से पहले ही पूरा कर लेंगे। इस राशि के लवमेट के लिए रिश्तों में मिठास भरने का दिन है।

वृश्चिक

आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आप बड़ी से बड़ी समस्या का हल आसानी से निकाल लेंगे। आपका स्वास्थ्य भी बेहतर बना रहेगा। कानूनी मसलों को हल करने के लिए आज का दिन बहुत अच्छा है।

धनु

आज किसी से जबरदस्ती अपनी बात मनवाने की कोशिश न करें। वैवाहिक जीवन अनुकूल होगा। पिछले कुछ दिनों से जो प्लानिंग आपके दिमाग में है उस पर काम शुरू न करें तो ही अच्छा है।

मकर

जल्दबाजी में निवेश न करें अगर आप सभी मुमकिन कोणों से परखेंगे नहीं तो नुकसान हो सकता है। घर से जुड़ी योजनाओं पर विचार करने की जरूरत है। आज के दिन प्यार की कली चटककर फूल बन सकती है।

कुम्भ

आज आपकी वाणी की मिठास से आप इच्छित काम निकाल सकेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। विरोधी सक्रिय रहेंगे जो आप के बने बनाये कार्य बिगाड़ सकते हैं। सूझ-बुझ से धनलाभ होगा।

मीन

आज सुख-सुविधा पर खर्चा करने का मन बन सकता है। बैंक से जुड़े कार्यों में सतर्क रहें। आर्थिक क्षेत्र में लाभ के आसार हैं। सहजता और तेजी के साथ कई मुद्दों का सफलतापूर्वक समाधान करेंगे।

पेरेंट्स बनने के बाद विवादों में फंसे नयनतारा और विग्नेश

तमिल एक्ट्रेस नयनतारा और डायरेक्टर विग्नेश शिवन ने 9 अक्टूबर को अपने पेरेंट्स बनने की खबर दी। शादी के 4 महीने बाद ही सोशल मीडिया पर बच्चों के पैरों के साथ अपनी तस्वीर शेयर करते हुए कपल ने अपने पेरेंट्स बनने की अनाउंमेंट की। कल से यह खुशखबरी सुर्खियों में है। हालांकि अब पेरेंट्स बनने के साथ-साथ कपल विवादों में फंस हैं। दरअसल दुनिया भर में सरोगेसी को लेकर अलग-अलग नियम-कानून हैं, ऐसे में तमिलनाडु के हेल्थ मिनिस्टर एमए सुब्रमण्यम इस सरोगेसी मामले की जांच करवाएंगे। दरअसल 9 अक्टूबर को विग्नेश ने सोशल मीडिया पर अपने पेरेंट्स बनने की जानकारी दी। कपल शादी के महज 4 महीने बाद ही पेरेंट्स बन गए, इस खबर ने लोगों का ध्यान अपनी तरफ खींचा। जिसके बाद कपल सरोगेसी मामले में विवादों में आ गया। बता दें कि भारत में प्रोफेशनल सरोगेसी पर बैन लगा है। किसी भी सरोगेट को कम से कम एक शादी जरूर होनी चाहिए। साथ ही उसका अपना बच्चा होना चाहिए। तमिलनाडु के स्वास्थ्य मंत्री एमए सुब्रमण्यम से जब नयनतारा और विग्नेश के सरोगेसी पर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा- इस मामले में जांच की जाएगी। सरोगेसी अपने आप में ही बड़ी बहस का मुद्दा है। कानून लोगों को सरोगेसी कराने की परमिशन देता है।

लेकिन इसके लिए महिला की उम्र 21 साल से अधिक और 36 साल से कम होनी चाहिए, साथ ही इसके परिवार की मंजूरी होनी चाहिए। आपने बयान में हेल्थ मिनिस्टर ने आगे कहा-कि मैं इस मामले की जांच करने के लिए चिकित्सा सेवा निदेशालय को आदेश दूंगा।विग्नेश ने इंस्टाग्राम पर नयनतारा और अपने जुड़वा बच्चों के पैरो की तस्वीर शेयर की है। फोटो के साथ विग्नेश ने कैप्शन में लिखा-नयनतारा और मैं अम्मा और अप्पा बन गए हैं।

बॉलीवुड | मसाला

रणवीर सिंह ने खरीदी लग्जरी एस्टन मार्टिन कार

रणवीर सिंह आए दिन मीडिया में छाए रहते हैं। हाल ही में तंजानिया के सोशल मीडिया स्टार किली पॉल के साथ उनका डांस वीडियो वायरल हुआ था। इस दौरान एक्टर का अतरंगी पिंक आउटफिट लुक काफी वायरल हुआ था। वैसे रणवीर अपने ड्रेसिंग सेंस के अलावा भी बहुत सारी चीजों को पसंद करते हैं। इन्हीं में से एक शौक लग्जरी गाड़ियों का भी है। उनके पास एक से बढ़कर एक लग्जरी कारें है। वहीं अब उनकी लिस्ट में एक और न्यू कार जुड़ गई है। रणवीर सिंह ब्लू एस्टन मार्टिन कार खरीदी है। हाल ही में इस कार की राइड लेते नजर आए। अपनी कार ब्लू एस्टन मार्टिन के बारे में बात करते हुए रणवीर ने कहा कि ये वो पहली कार है जिसे मैंने खरीदा था। इसमें पैडल शिफ्ट करने वाले फीचर थे, जिसने मुझे सबसे ज्यादा पसंद आए। मेरी बकेट लिस्ट में लैम्बोर्गिनी थी। मैं पहली बार 2014 में इसके शोरूम में गया था, लेकिन फिर मैंने 6 साल वेट किया और फाइनली जब मैंने इसे खरीदा, वो मेरे लिए सबसे प्राउड मोमेंट था। इस गाड़ी की कीमत की बात करें तो करीब 4 करोड़ बताई जा रही है। इतना ही नहीं उनके पास मर्सडीज एस500 और मर्सडीज बेज जीएलएस 350डी जैसी आलीशान कारे भी है। रणवीर दुनिया की हर बेहतरीन कार खरीदने की ख्वाहिश रखते हैं। इससे पहले रणवीर ने पत्नी दीपिका संग अलीबाग में नया घर खरीदा है। दोनों ने अपने नए घर का गृह प्रवेश भी किया था। इस प्राइवेट सेरेमनी में दीपवीर के साथ उनके परिवार वाले भी थे। रणवीर सिंह के वर्कफ्रंट की बात करें तो बीते दिनों जयेशभाई जोरदार फिल्म में नजर आए थे। वहीं अब जल्द करण जौहर की फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में नजर आने वाले हैं। इसके अलावा रोहित शेट्टी की सरकस में भी दिखाई देंगे।

बॉलीवुड | मन की बात

विवादों में फिल्म आदिपुरुष राजस्थान के मिनिस्टर ने कहा- मैं संतों के साथ हूं

टीजर रिलीज के बाद से फिल्म आदिपुरुष का विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। देश भर में फिल्म को बैन करने की मांग की जा रही हैं। फिल्म पर धार्मिक भावनाओं को आहत पहुंचाने का आरोप है, जिस वजह से यह विवाद और बढ़ता जा रहा है। इसी बीच एक हिंदू संत संस्था, अखिल भारतीय संत समिति ने अलग से सनातन सेंसर बोर्ड बनाने की मांग की है, जिससे देवी-देवताओं की छवि को खराब न किया जाए। इसी बीच राजस्थान के मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने संतों की इस मांग का समर्थन किया है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से रिक्वेस्ट की है कि वो सनातन सेंसर बोर्ड बनाने के बारे में विचार करें। इटाइम्स की रिपोर्ट्स के अनुसार प्रताप सिंह ने संतों की मांग का समर्थन करते हुए कहा- मैं संतों के साथ हूं। मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से संतों की मांगों पर गौर करने और सनातन सेंसर बोर्ड बनाने की परमिशन देने की रिक्वेस्ट करता हूं। आदिपुरुष का विवाद दिल्ली के कोर्ट तक जा पहुंचा है। फिल्म के खिलाफ कोर्ट में याचिका दर्ज की गई है, कि आदिपुरुष ने भगवान राम और हनुमान को गलत तरीके से दिखाया गया है।अधिवक्ता राज गौरव ने फिल्म के निर्माता भूषण कुमार और निर्देशक ओम राउत के खिलाफ याचिका दायर की है और फिल्म से आपत्तिजनक सीन्स को हटाने की मांग की है। साधु-संतों के अलावा आम पब्लिक भी फिल्म सोशल मीडिया पर बुरी तरह से ट्रोल कर रही है। फिल्म के टीजर बेहद निगेटिव रिस्पॉन्स मिला है, सोशल मीडिया यूजर्स फिल्म के VFX और कैरेक्टर्स को क्रिटिसाइज कर रहे हैं। निगेटिव रिस्पॉन्स के बीच फिल्म को 12 जनवरी 2023 में रिलीज किया जाएगा। इस फिल्म में प्रभास के अलावा कृति सेनन और सैफ अली खान मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।

यहां बकरे दे रहे दूध, दूर-दूर से लोग आते हैं बकरों को देखने

बुरहानपुर। क्या आपने कभी दूध देने वाले बकरे देखे हैं? हो सकता है कि यह आपको मजाक या झूठ ही लगे लेकिन यह हकीकत है। मध्य प्रदेश के बुराहनपुर जिले में एक फार्म हाउस में कुछ बकरे ऐसे हैं, जो वाकई दूध देते हैं। बात हैरत की ही है इसलिए इन बकरों को देखने के लिए दूर-दूर से लोग आते हैं। ये बकरे पूरी तरह से नर प्रजाति के हैं और प्राकृतिक रूप से इनकी शारीरिक बनावट नर बकरे की तरह ही है लेकिन, ये सभी दूध दे रहे हैं, तो सुनने देखने वालों को हैरानी तो हो ही रही है। आखिर ऐसा कैसे हो सकता है? जानकारी के मुताबिक सरताज फार्म में सौ से ज्यादा बकरों के बीच 3 से 4 बकरे ऐसे हैं, जो दूध देते हैं। 15 सालों से बकरी पालन कर रहे फार्म मालिक डॉक्टर तुषार का कहना है कि ये बकरे राजस्थानी नस्ल के हैं। इन्हें अच्छी डाइट की जरूरत होती है। उन्होंने बताया कि इन बकरों की शारीरिक बनावट अन्य बकरों की ही तरह है, लेकिन दूध देने के लिहाज से कुछ अलग भी है क्योंकि इनके दो थन भी हैं। तुषार के मुताबिक ये बकरे दिन भर में 250 मिली लीटर तक दूध दे रहे हैं। इन बकरों को देखकर आम लोग तो हैरान हैं ही, विशेषज्ञ भी कारणों को लेकर इस बारे में हुए शोध और अध्ययनों को खंगाल रहे हैं। हालांकि स्थानीय डॉक्टरों का कहना है कि कुछ केसों में ऐसा होता है। पशु चिकित्सक डॉक्टर अजय रघुवंशी का कहना है कि 100 में से किसी एक बकरे के साथ इस तरह की कंडीशन मिल सकती है। उनके मुताबिक हॉर्मोनल बदलावों के कारण ऐसा संभव होता है। किसी खास नस्ल के साथ ही ऐसा हो, यह हमेशा जरूरी नहीं। रघुवंशी के मुताबिक बकरों ही नहीं, बैल या अन्य जीवों में भी इस तरह के मामले सुनने में आते हैं। बहरहाल, डॉक्टरों के मेडिकल रीजन तो ठीक हैं, लेकिन लोगों के लिए तो ये बकरे अजूबे से कम नहीं हैं। आपको भी मौका मिले तो सरताज फॉर्म हाउस पर जाकर आप इन बकरों को देख सकते हैं, जो दूध दे रहे हैं।

अजब-गजब | ये हैं दुनिया की सबसे अद्भुत झीलें

इन झीलों के रहस्यों को नहीं जान पाया कोई

पूरी दुनिया में एक से बड़ा एक रहस्य छिपा हुआ है। जिनके बारे में आज तक कोई पता नहीं लगा पाया। आज हम आपको ऐसे ही कुछ रहस्यों के बारे में बताने जा रहे हैं जो झीलों से जुड़े हुए हैं। तो चलिए सबसे पहले बात करते हैं कनाडा की स्पॉटेड लेक के बारे में। जो एक ऐसी झील है जिसे देखकर कोई भी हैरान रह सकता है।

क्या है स्पॉटेड झील का रहस्य: दरअसल, कनाडा में मौजूद स्पॉटेड लेक एक खारे पानी की यह झील है जिसमें विभिन्न तरह के खनिज लवणों मौजूद हैं। इस झील में सल्फेट, सिल्वर और टायटेनियम भी शामिल है। इस झील का अद्भुत नजारा तब देखने को मिलता है जब गर्मियों के मौसम में इस झील का पानी सूख जाता है। स्थानीय लोग इस झील को कलीलुक कहते है। यहां रहने वाले लोग इस अजीबोगरीब झील से डरते भी है क्यूंकि पहले विश्वयुद्ध के दौरान इस झील का उपयोग विस्फोटक बनाने के लिए किया गया था।

कानो क्रिस्टेल्स नदी, कोलम्बिया: इसके अलावा कोलंबिया में कानो क्रिस्टेल्स नाम की एक नदी है, जिसके पानी का रंग देखकर कोई भी हैरान रह सकता है। क्योंकि इस नदी के पानी का रंग हरा, लाल, नारंगी और नीला दिखाई देता है। बता दें कि इस नदी में एक साथ पानी का रंग इतने तरह का दिखने के पीछे की वजह यहां के पानी में मौजूद माकारिना क्लेवेगरा प्रजाति का एक पौधा

है। इसी पौधे की वजह से सितम्बर से लेकर नवम्बर के बीच नदी का पानी इंद्रधनुष के रंगों में बदल जाता है।

ब्लॉइलिंग लेक, डोमेनिका: अब बात करते हैं कैरेबियन देश डोमेनिका के मोरन ट्रोइस पिट्नस नेशनल पार्क की। दरअसल, इस पार्क में एक ऐसी झील है जिसका पानी हर वक्त उबलता रहता है। इस झील के उबलते हुए पानी की वजह इसके नीचे मौजूद सुलगता हुआ लावा है। ऐसे में ब्लॉइलिंग लेक के पानी में तैरना मौत को गले लगाने के जैसा है। इसीलिए इस झील के आसपास जाने से भी लोग घबराते हैं क्योंकि अगर कोई गलती से भी इसमें गिर गया तो उसकी जान बचना नामुमकिन है।

पिच लेक, त्रिनिदाद: अब बात करते हैं कैरेबियन देश त्रिनिदाद और टौबैगो की बारे में। दरअसल, यहां एक ऐसी झील है जिसके पानी का रंग काला है। बता दें कि इस झील में दुनिया का सबसे बड़ा प्राकृतिक तार और डामर का भंडार है। ऐसा कहा जाता है कि इस झील में करीब एक करोड़ टन तक अलकतरा यानी डामर मौजूद है। 100 एकड़ में फैली इस झील की गहराई ढाई सौ फीट तक है।

केलिमुटु क्रेटर लेक, इंडोनेशिया: इसके अलावा इंडोनेशिया के केलिमुटु ज्वालामुखी के ऊपर तीन झीलें मौजूद हैं, जिन्हें केलिमुटु क्रेटर लेक के नाम से जाना जाता है। इन झीलों की सबसे खास बात ये है कि ये तीनों झीलें अलग-अलग रंग की हैं, यही नहीं इन झीलों का समय के साथ रंग भी बदलता रहता है। इनका पानी नीले से हरा, काला, लाल और भूरे रंग का हो जाता है। रंगों के अलावा इनकी एक और खासियत यह है कि इन झीलों का तापमान और रासायनिक गुण अलग-अलग है।

शैंपेन पूल, न्यूजीलैंड: शैंपेन पूल नाम से मशहूर यह झील न्यूजीलैंड में स्थित है। असल में इस झील के पानी में शैंपेन की तरह कार्बन डाईऑक्साइड के बुलबुले लगातार निकलते रहते है। करीब 900 साल पहले मिली इस झील के पानी का तापमान करीब 74 डिग्री सेल्सियस रहता है। कहा जाता है कि इसके पानी में आर्सेनिक और ऐंटिमनी सल्फाइड मौजूद है।

सीएम भूपेश बघेल की ओएसडी समेत अफसरों व व्यापारियों पर ईडी का छापा

» चार करोड़ रुपये, बहुमूल्य आभूषणों सहित दस्तावेज बरामद

» कल से जारी है छापेमारी दिल्ली से भी अधिकारी पहुंचे रायपुर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल की ओएसडी समेत अफसरों और व्यापारियों के ठिकानों पर मंगलवार को ईडी ने छापेमारी की जो आज भी जारी है। इस दौरान चार करोड़ रुपये, करोड़ों के आभूषण और कई अहम दस्तावेज बरामद हुए हैं। छत्तीसगढ़ में इस बार ईडी ने दुर्ग, रायपुर, रायगढ़ और महासमुंद सहित कई जगहों पर छापा मारा है।

ये सब सामान कहां बरामद किया गया है, इसका पता नहीं चल सका है। माना जा रहा है कि ईडी अधिकारियों ने छापेमारी में बहुत कुछ बरामद कर लिया है। कल शाम को दिल्ली के अधिकारी भी रायपुर पहुंच चुके हैं। इस पूरी छापेमारी की दिल्ली से वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा की जा रही है। ईडी ने सीआरपीएफ से अतिरिक्त फोर्स मांगी है। छत्तीसगढ़ के दुर्ग में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की फिलहाल ओएसडी सौम्या चौरसिया, रायगढ़ में कलेक्टर रानू साहू के आवास पर, महासमुंद में अग्नि चंद्राकर, सूर्यकांत तिवारी, माइनिंग हेड आईएएस जेपी मौर्य के रायपुर स्थित आवास पर, रायगढ़ के गांजा चौक निवासी नवनीत तिवारी, प्रिंस भाटिया, सीए सुनील अग्रवाल के ठिकानों पर ईडी की कार्यवाही जारी है।

बताया जा रहा है कि आज सुबह पांच बजे से इन सभी के घर ईडी दर्जनभर टीम के साथ रेड कर रही है। इससे पहले भी आईटी और ईडी द्वारा मुख्यमंत्री की ओएसडी सौम्या चौरसिया, कलेक्टर रानू साहू, सूर्यकांत तिवारी से पहले भी पूछताछ की जा चुकी है। इस दौरान कोयला व्यापारी सूर्यकांत तिवारी और सौम्या चौरसिया के घर से बड़ी मात्रा में लगभग 200 करोड़ रुपये की चल-अचल संपत्ति सामने आई थी।

कुमार विश्वास को राहत, हाईकोर्ट ने रद्द की एफआईआर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट से मशहूर कवि कुमार विश्वास को बड़ी राहत मिली है। कोर्ट ने उनके खिलाफ दायर पंजाब पुलिस की एफआईआर को रद्द कर दिया है।

कुमार विश्वास पर पंजाब विधान सभा चुनाव से ठीक पहले इसी साल 12 अप्रैल को आम आदमी पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल के खिलाफ कथित रूप से भड़काऊ बयान देने के लिए रूपनगर में मामला दर्ज किया गया था। कुमार विश्वास ने हाईकोर्ट का रुख किया था। उन्होंने आपराधिक कार्यवाही पर रोक लगाने की मांग की थी। इस मामले पर न्यायमूर्ति अनूप चितकारा की पीठ सुनवाई कर रही थी। याचिका में कानून की प्रक्रिया के सरासर दुरुपयोग का आरोप लगाया गया और इसे राजनीति से प्रेरित बताया गया था।

नीतीश का बिना नाम लिए पीएम पर हमला, कहा

जब मैं सीएम था तो नरेंद्र मोदी क्या थे

» जिन्हें जेपी आंदोलन की जानकारी नहीं वे बोल रहे हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का नाम लिए बगैर कहा कि जब मैं मुख्यमंत्री बना था, तब वह क्या थे? जिन्हें जेपी आंदोलन की जानकारी नहीं, वे लोग पता नहीं क्या-क्या बोलते रहते हैं। उनलोगों को कोई ज्ञान है क्या? ऐसे लोगों पर हम कुछ नहीं बोलते।

मुख्यमंत्री ने किसी का नाम लिए बगैर कहा जो लोग बोल रहे हैं, वह 2002 में सरकार में आए। जेपी आंदोलन 1974 मे हुआ। उसमें उन लोगों की कौन सी भूमिका रही है। कितने साल से राजनीति में हैं। अपने राज्य को भी ठीक से जानते हैं क्या? कुछ लोग मेरी उम्र के बारे में टिप्पणी करते हैं। टिप्पणी करने वाले के नेता की क्या उम्र है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने नगालैंड वासियों को भरोसा दिया है कि वे उनकी बेहतरी के लिए काम करेंगे। उनसे जितना बन पड़ेगा, इस राज्य के लिए करेंगे। नीतीश कुमार दीमापुर में जदयू की ओर से आयोजित जेपी जयंती समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि लोकनायक ने नगालैंड के लोगों के जीवन में बेहतरी के लिए काम किया। जेपी 1964 से 1967 तक इस राज्य में रहे इसलिए जदयू की नगालैंड इकाई ने जब उन्हें जेपी जयंती का आमंत्रण दिया तो वे तुरंत राजी हो गए। उन्होंने कहा कि हम जेपी के अनुयायी हैं। उन्हीं के बताए रास्ते पर चलकर बिहार का विकास कर रहे हैं। जेपी ने आजादी की लड़ाई में हिस्सा लिया था। आजादी के बाद देश के नवनिर्माण में बड़ी भूमिका निभाई।

मौका मिला तो गुजरात को दिल्ली जैसी देंगे सुविधाएं : राघव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अहमदाबाद। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद और गुजरात प्रदेश के सह-प्रभारी राघव चड्ढा ने कहा कि अमरेली जिले में पिछले 27 सालों में भाजपा की अहंकारी सरकार ने एक भी हाईस्कूल नहीं बनाया। सिविल हॉस्पिटल नहीं बनाया और ऐसा लगता है कि जिले को जानबूझकर पिछड़ा रखा गया। यदि आम आदमी पार्टी को मौका मिला तो गुजरात को दिल्ली जैसी सुविधाएं देंगे।

उन्होंने कहा कि अमरेली ने गुजरात को और देश को काफी विधायक, सांसद और मंत्री दिए हैं लेकिन इन नेताओं ने अमरेली जिले को कुछ नहीं दिया। सौराष्ट्र के साथ भाजपा की 27 साल पुरानी सरकार ने हमेशा सौतेला व्यवहार किया है, लेकिन आने वाले समय में अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी की सरकार इस सौतेले पल को दूर करके सौराष्ट्र में विकास के कार्य करेगी। गुजरात की जनता ने कांग्रेस को 35 साल और भाजपा को 27 साल दिए लेकिन दोनों पार्टियां गुजरात को बर्बाद कर रही हैं। इन लोगों को बार-बार मौके दिए गए लेकिन उन्होंने कुछ नहीं किया।

परिवर्तन प्रतिज्ञा महारैली से हिमाचल में चुनावी शंखनाद करेंगी प्रियंका

» समीक्षा बैठक में बनायी जाएगी रणनीति

» 14 अक्टूबर को होगी सोलन में रैली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव प्रियंका गांधी परिवर्तन प्रतिज्ञा महारैली से हिमाचल में चुनावी शंखनाद करेंगी। 14 अक्टूबर को सोलन के ठोडो मैदान में होने वाली रैली को कांग्रेस ने परिवर्तन प्रतिज्ञा महारैली का नाम दिया है। इसमें शिमला, सोलन और सिरमौर जिले से कार्यकर्ताओं को लाने का नेताओं को जिम्मा सौंपा गया है। रैली में शामिल होने के लिए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह दिल्ली से शिमला लौट आई हैं।

कांग्रेस के चुनाव प्रचार कमेटी के अध्यक्ष सुखविंद्र सिंह सुक्खू मंगलवार को नादौन और नेता विपक्ष मुकेश अग्निहोत्री हरोली में रहे। गुरुवार को सुक्खू और मुकेश सहित पार्टी के अधिकांश बड़े नेताओं के शिमला पहुंचने के आसार हैं। पार्टी के प्रदेश प्रभारी राजीव शुक्ला 14 अक्टूबर को सोलन ही आएंगे। प्रियंका गांधी की रैली से पहले प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन शिमला में पार्टी के बड़े नेताओं की एक बैठक होने की संभावना भी है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव और प्रदेश मामलों के सह प्रभारी संजय दत्त प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में प्रियंका गांधी की 14 अक्टूबर को सोलन में होने वाली रैली की तैयारियों की समीक्षा करेंगे। शिमला जिले के कांग्रेस अध्यक्ष, शिमला शहरी व ग्रामीण व शिमला जिला के सभी ब्लॉक अध्यक्षों के साथ रैली की रणनीति बनाई जाएगी।

अखिलेश के सामने आएंगी कई चुनौतियां!

» 4पीएम की परिचर्चा में उठे कई सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव नहीं रहे। अब उनके बिना सपा के लिए आगे की राह कितनी मुश्किल होगी या वह कितना आगे बढ़ेगी, यह बहुत कुछ उनके पुत्र अखिलेश यादव के सियासी कौशल पर निर्भर करेगा। अब आगे का सफर उन्हें पिता की छत्रछाया के बिना तय करना है और आगे की सियासी डगर कठिन ही दिखती है जो सपा के लिए चुनौती होगी। ऐसे में बड़ा सवाल यह है कि मुलायम के बिना अखिलेश! कुनबा बढ़ेगा या बिखर जायेगा? इस मुद्दे पर वरिष्ठ पत्रकार अनुपम मिश्रा, अनिल रायल, सुशील दुबे, शीतल पी सिंह, किसान नेता डॉ. सुनीलम और निधि मिश्रा के साथ लंबी परिचर्चा हुई।

डॉ. सुनीलम ने कहा कि मैं सैफई गया था अन्त्येष्टि में। अंतिम विदाई में कई दृश्य दिखे। देश और दुनिया ने देखा कि नेताजी की लोकप्रियता क्या थी। अब जो परिस्थिति है, उसमें अखिलेश के ऊपर बड़ी जिम्मेदारी आ गई है। ऐसे में विपक्ष भी उनके साथ खड़ा दिख रहा है। कुनबे और परिवार वाली बात अभी फिलहाल एक हैं। शीतल पी सिंह ने कहा कि अब अखिलेश ही संभालेंगे। 2012 से अखिलेश ने पार्टी संभाल ली। मुख्यमंत्री भी रहे। ऐसे में अब वे सारी चीजें समझते हैं। नेताजी नहीं रहे, उनका कद बहुत बड़ा था। पर उन्होंने इतनी भूमिका बना दी कि अखिलेश अगर मेहनत करते रहें तो वे धीरे-धीरे नेताजी के सपनों को फिर से साकार कर देंगे।

अनुपम मिश्रा ने कहा कि मुलायम सिंह नहीं रहे पर उनके अनुभवों का लाभ अखिलेश को मिला। पर अब वह अनुभवों का लाभ नहीं मिलेगा। अब ऐसे हालत में शिवपाल क्या रुख अपनाएंगे? मुलायम सिंह के जाने के बाद वो कितना संयम रखते हैं और अखिलेश कितना संयम रखते हैं देखने वाली बात होगी। सुशील दुबे ने कहा कि नेताजी के जाने के बाद अखिलेश के कंधों पर बड़ी जिम्मेदारी आई है। अनिल रायल ने कहा कि अखिलेश के लिए शिवपाल चुनौती नहीं है। मुलायम सिंह के जाने के बाद अखिलेश के सामने चुनौतियां तो आएंगी। इसका सामना कैसे करते हैं उसे देखना होगा।

मुलायम सिंह के लिए भारत रत्न की उठी मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। दिवंगत मुलायम सिंह यादव के लिए भारत रत्न की मांग उठी है। यह मांग समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता और सीनियर लीडर आईपी सिंह ने की है। राष्ट्रपति को एक पत्र लिखकर सपा नेता ने मुलायम सिंह यादव को अविलम्ब भारत रत्न देने की मांग की है। आईपी सिंह ने अपने पत्र में लिखा कि नेता जी के गोलोकगमन से पूरा देश शोकाकुल है। सभी में निराशा का भाव है। ऐसे में उनके चाहने वाले और समाजवादी विचारधारा के हर सिपाही की भावनाओं को ध्यान रखते हुए नेता जी को देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न देने की घोषणा की जानी चाहिए।

धरती पुत्र मुलायम सिंह यादव वो नाम है जो भारत रत्न की शोभा बढ़ाने का काम करेगा। आईपी सिंह ने लिखा है कि उत्तर प्रदेश के सबसे छोटे कस्बे में से एक एक पिछड़े परिवार में जन्म लेने वाले नेता जी लगभग 6 दशकों तक सदैव देश की राजनीति का केंद्र बिंदु बने रहे। वह सही मायने में भारतीय राजनीति के अक्षय को आठ बार विधायक सात बार संसद तीन बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और एक बार भारत के रक्षा मंत्री रहकर भी नेता जी ने कभी जमीन नहीं छोड़ी। वो गरीबों के मसीहा थे और आजीवन सिर्फ गरीब कल्याण की राजनीति की। महामहिम समाज में जिस वंचित और शोषित वर्ग के लिए नेता जी ने संघर्ष किया उस वर्ग की पीड़ा और दर्द आप से बेहतर कोई और नहीं समझ सकता। नेताजी ने आजीवन एक ऐसे समाज हेतु संघर्ष किया। जहां सभी को बराबरी का मौका मिले। एक ऐसा समाज जो गांव-शहर, अमीर-गरीब, हिंदू-मुस्लिम और अगला-पिछड़ा सभी को एक धागे में पिरो कर एक सशक्त भारत का निर्माण करें।

सपा नेता आईपी सिंह ने राष्ट्रपति को लिखा पत्र, कहा- समाजवादी विचारधारा के हर सिपाही की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए नेता जी को देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न देने की घोषणा की जानी चाहिए।

नेताजी को भारत रत्न देने से इसकी शोभा बढ़ेगी

समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता और सीनियर लीडर आई पी सिंह ने पत्र में लिखा है कि विगत सोमवार को समाजवाद के एक स्वर्णिम अध्याय का समापन हो गया। देश ने अपने सबसे प्रिय नेता आदरणीय मुलायम सिंह यादव को खो दिया। एक ऐसा नेता जिसका जीवन ही संघर्ष का दूसरा नाम है। एक ऐसा व्यक्तित्व जिसने सामाजिक न्याय की ऐतिहासिक लड़ाई लड़ी और अपना सर्वस्व व राष्ट्र के नाम समर्पित कर दिया। समाजवादी विचारधारा के हर सिपाही की भावनाओं को ध्यान रखते हुए नेता जी को देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न देने की घोषणा की जानी चाहिए। धरती पुत्र मुलायम सिंह यादव नाम है जो भारत रत्न की शोभा बढ़ाने का काम करेगा।

...फिर कोई मुलायम पैदा हो

सपा नेता ने लिखा है कि अगर नेता जी को भारत रत्न मिलता है तो फिर कोई मुलायम सिंह पैदा होगा जो सामाजिक शोषण के विरुद्ध आवाज बने और शायद भारत के किसी कोने में एक ऐसे ही निडर और निर्भीक आवाज को लोग नेताजी कहकर बुलाएं।

सरकारी योजनायें जनता तक पहुंचायें अफसर: मुख्य सचिव

» दुर्गा शंकर मिश्र बोले, मशीन बेस्ड होते हैं इंजीनियर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। इंजीनियरिंग की पृष्ठभूमि से जुड़े भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) और भारतीय वन सेवा के (आईएफएस) प्रशिक्षु अधिकारी भेंट करने आए तो उन्हें मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने उन्हीं के अंदाज में कार्यशैली समझाई। कहा कि एक इंजीनियर मशीन बेस्ड साल्यूशन है और सिविल सर्विस अधिकारी ह्यूमन बेस्ड साल्यूशन होता है।

मुख्य सचिव से मिलने आईएएस 2021 बैच और आईएफएस 2018 व 2019 बैच के 23 प्रशिक्षु अधिकारी मिलने पहुंचे। इनमें ज्यादातर प्रशिक्षु अधिकारी इंजीनियरिंग क्षेत्र से जुड़े थे। इनसे परिचय प्राप्त करने के बाद मुख्य सचिव ने कहा कि इंजीनियर समाधान खोजक होता है। किसी भी कठिन परिस्थिति में एक इंजीनियर समाधान निकाल लेता है। उन्होंने सिविल सर्विस और इंजीनियर के अंतर के बारे में भी बताया। साथ ही कहा कि अपने निर्णयों में यह जरूर देखना चाहिए कि वह देश की एकता और अखंडता में कहीं रुकावट तो पैदा नहीं करेगा। इसके अलावा सेवा के दौरान जनसामान्य के जीवन में बदलाव लाने व सुगमता लाने का प्रयास करना चाहिए। सरकार से मिलने वाले लाभों के लिए जनता को जिद्दोजहद न करनी पड़े। इसके लिए सकारात्मक वातावरण बनाना व्यवस्था की जिम्मेदारी है। अपने पिता से ली गई सीख का उदाहरण देते हुए दुर्गा शंकर मिश्र ने कहा कि अगर कुछ देना हो तो दिल खोलकर देना, अगर किसी का नुकसान करना हो तो सोच-समझकर करना। अगर किसी को दंडित करना हो तो निर्भय होकर दंडित करना।

उत्तराखंड के कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा की हत्या का षड्यंत्र!

» बदमाशों की सड़क दुर्घटना में मारने की थी साजिश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा की हत्या कर बदमाश इसे सड़क दुर्घटना दर्शाने का षड्यंत्र रच रहे थे। षड्यंत्र के लिए बदमाश रेकी भी कर रहे थे। पुलिस जांच में अब तक यह सबसे बड़ा तथ्य निकलकर सामने आया है। इस संबंध में खुद मंत्री भी आशंका जता चुके हैं। मंत्री से हीरा सिंह की मुलाकात भी इस षड्यंत्र और रेकी का हिस्सा माना जा रहा है।

ऊधमसिंह नगर पुलिस अब तक मामले में मुख्य साजिशकर्ता समेत चार लोगों को गिरफ्तार भी कर चुकी है। कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा की हत्या के षड्यंत्र का खुलासा ऊधमसिंह नगर पुलिस कर चुकी है। इस मामले में हीरा सिंह समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार भी किया जा चुका है। पुलिस के अनुसार, हीरा सिंह पिछले दिनों गेहूं चोरी के मामले में जेल गया था। इसका जिम्मेदार वह कैबिनेट मंत्री को मानता है। इसी खुन्नस में उसने यूपी के बरेली जिले के बहेड़ी निवासी गुड्डू तांत्रिक नाम के बदमाश को 20 लाख रुपये में मंत्री की हत्या की सुपारी दी थी। पुलिस गुड्डू के कब्जे से पौने तीन लाख रुपये बरामद करने का दावा कर रही। हालांकि मंत्री को मारा किस तरह जाना था, इस बात का खुलासा अभी पुलिस ने नहीं किया है। सूत्रों की माने तो साजिशकर्ताओं ने मंत्री को मारने के लिए सड़क दुर्घटना करना चाह रहे थे। हत्या के बाद सड़क दुर्घटना भी दर्शाने की योजना थी। पिछले दिनों हीरा सिंह मंत्री से मिलने उनके सितारगंज स्थित आवास पर आया था। हीरा सिंह मंत्री से किसी व्यक्ति की मदद से काम के सिलसिले में मिला था। उनकी काफी देर तक बातचीत भी हुई थी। माना जा रहा कि यह हीरा सिंह और उसके साथियों की रेकी का हिस्सा हो सकता है। ताकि, किसी को इस हत्या का पता ही न चले, लेकिन इससे पहले ही इस षड्यंत्र का पर्दाफाश हो गया। डीआईजी सेंथिल अबुदई कृष्णराज ने कहा कि मामले की जांच गंभीरता से की जा रही है। दूसरे राज्यों से भी जानकारी जुटाई जा रही है।

ढाल और तलवार से लड़ेगा अब शिंदे गुट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने शिवसेना के एकनाथ शिंदे गुट को बालासाहेबची शिवसेना (बालासाहेब की शिवसेना) आवंटित किए जाने के एक दिन बाद दो तलवारें और ढाल का प्रतीक आवंटित किया।

शिंदे गुट ने अगले महीने अंधेरी पूर्व विधानसभा क्षेत्र में आगामी उपचुनाव के लिए चुनाव आयोग (ईसी) को अपने चुनाव चिन्ह विकल्प के रूप में चमकता हुआ सूरज, ढाल और तलवार और पीपल का पेड़ सौंप दिया था। हालांकि चुनाव आयोग ने कहा कि शिंदे गुट द्वारा प्रस्तुत प्रतीक आयोग में अधिसूचित मुक्त प्रतीकों की सूची से नहीं हैं। चुनाव आयोग ने सूरज को प्रतीक के रूप में आवंटित नहीं करने का कारण बताते हुए कहा कि प्रतीक का नाम पहले से ही आरक्षित प्रतीकों सूर्य (बिना किरणों) और उगते सूरज जैसे मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के जोरम से मिलता जुलता है। आयोग ने दो तलवारें और एक ढाल को एक स्वतंत्र प्रतीक घोषित करने का निर्णय लिया है प्रतीक के रूप में आवंटित किया है। जबकि शिवसेना के उद्धव ठाकरे धड़े को ज्वलंत मशाल (मशाल) चुनाव चिन्ह आवंटित किया गया था, जिसमें धार्मिक अर्थ का हवाला देते हुए त्रिशूल के उनके दावे को खारिज कर दिया गया था।

बीजेपी ने कांग्रेस को बताया छद्म समाजवादी

» पूंजीपतियों को कोसने वाले पर्दे के पीछे मिलते हैं गले

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मोदी सरकार पर पूंजीपतियों के लिए काम करने का आरोप लगाने वाली कांग्रेस और आम आदमी पार्टी को भाजपा ने छद्म समाजवादी बताया है। भाजपा के प्रवक्ता गोपाल अग्रवाल के अनुसार सार्वजनिक रूप से पूंजीपतियों को कोसने वाले कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पर्दे के पीछे उन्हीं पूंजीपतियों से गले मिलते हैं।

भाजपा प्रवक्ता ने मौजूदा वैश्विक आर्थिक संकट में भारतीय अर्थव्यवस्था को एकमात्र उम्मीद की किरण बताते हुए कहा कि मोदी सरकार की नीतियों के कारण ही यह संभव हो सका है। ध्यान देने की बात है कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी लगातार मोदी सरकार पर अदाणी, अंबानी समेत चंद पूंजीपतियों के लिए काम करने आरोप लगाते रहे हैं। वहीं पिछले दिनों राजस्थान की कांग्रेस सरकार के साथ अदाणी ग्रुप के 60 हजार करोड़ रुपये निवेश का समझौता किया। उन्होंने पूंजीपतियों को लेकर कांग्रेस के इस दोहरे चरित्र को छद्म समाजवादी बताया। उनके अनुसार यही स्थिति आम आदमी पार्टी की है। अग्रवाल ने आरोप लगाया कि केजरीवाल मुख्यमंत्री की कुर्सी तक पहुंचे, लेकिन खुद उनकी सरकार भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों में घिरी हुई है। पूंजीपतियों को कोसने वाले केजरीवाल अपनी सरकार की भ्रष्ट नीतियों के सहारे पूंजीपतियों को लाभान्वित कर रहे हैं।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।